मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 223
शनिवार, 01 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

लोगों से लोगों का जुड़ाव हमारे संबंधों की सबसे मजबूत संपत्तिः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 28 फरवरी। वॉन डेर लेयेन के साथ वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत एवं यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी स्वाभाविक है; भरोसा और लोकतांत्रिक मूल्यों में साझा विश्वास इसका मूल है। वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और ह्यकॉलेज ऑफ कमिशनर्सह्ल की यह भारत यात्रा अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि भारत एवं यूरोपीय संघ के बीच साझेदारी को बढ़ावा और गति देने के लिए कई निर्णय लिए गए हैं।

मोदी ने कहा कि हमने अपनी-अपनी टीम को इस वर्ष के अंत तक पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय एफटीए संपन्न करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि निवेश संरक्षण और जीआई समझौतों की दिशा में प्रगति पर चर्चा हुई। मोदी ने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। मुझे विश्वास है कि आईएमईईसी गलियारा वैश्विक वाणिज्य, सतत विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने का इंजन साबित होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों से लोगों का जुड़ाव हमारे संबंधों की सबसे मजबूत संपत्ति है। हमारे बीच शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग साझेदारी बढ़ाने को लेकर

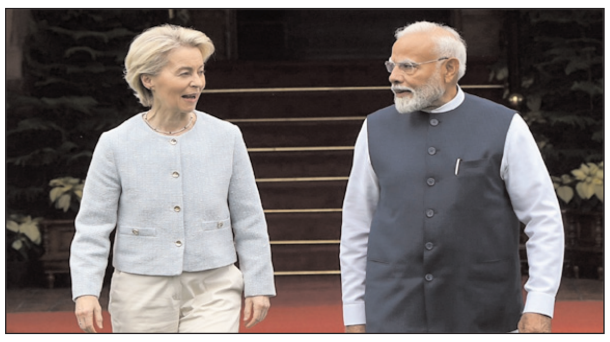

नए सिरे से समझौता हुआ है। मेरा मानना है कि भारत की युवा प्रतिभा और यूरोप का इनोवेशन मिलकर असीमित संभावनाएं पैदा कर सकते हैं। हम यूरोपीय संघ की नई वीजा ₹कैस्केडर₹ व्यवस्था का स्वागत करते हैं। इससे भारत के प्रतिभाशाली युवाओं की क्षमता को बेहतर गतिशीलता मिलेगी। आज, हमने निर्णय लिया है कि हम 2025 से भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी का एक साहसिक और महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार करेंगे।

इसे अगले भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन के दौरान लॉन्च किया जाएगा। आपकी यात्रा हमारी महत्वाकांक्षा को क्रियान्वित करने में सबसे बड़ा उत्प्रेरक है।

उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि आज कोई सामान्य दिन नहीं है, यूरोप और भारत एक साथ आ रहे हैं और जैसा कि मैंने समाचारों में पढ़ा, ग्रह भी एक साथ आ रहे हैं। सौर मंडल में सात ग्रह पूर्ण संरेखण में आ गए हैं। यह एक बहुत ही उत्कृष्ट घटना है, और वे कहते हैं कि यह घटना विकास और परिवर्तन का संकेत देती है, और ठीक यही वह क्षण है जिसमें हम खुद को पाते हैं। ग्रह एक सीध में हैं, और भारत और यूरोप भी एक सीध में हैं।

सांसद शशि थरूर से जुड़े विवाद के बीच केरल के कांग्रेस नेताओं की बैठक

केरल, 28 फरवरी। कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी सांसद शशि थरूर के कुछ बयानों से जुड़े विवाद के बीच शुक्रवार को राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें संगठन की स्थिति, विधानसभा चुनाव की तैयारियों और कुछ अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में हुई इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन, लोकसभा सदस्य शशि थरूर और प्रदेश के कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे।केरल के कांग्रेस नेताओं की बैठक इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि इन दिनों पार्टी के सांसद तथा वरिष्ठ नेता शशि थरूर के अप्रसन्न होने की अटकलें हैं। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर द्वारा एक अखबार में लिखे हालिया लेख पर विवाद पैदा हो गया है। इस लेख में उन्होंने केरल में निवेश के माहौल को बढ़ावा देने के लिए वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की प्रशंसा की है। इसको लेकर वह केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ नेताओं के निशाने पर हैं। थरूर ने हाल ही में राहुल गांधी से मुलाकात की थी और माना जा रहा है कि उन्होंने अपना पक्ष उनके समक्ष रखा। पूर्व केंद्रीय मंत्री थरूर ने एक अखबार में छपी उस खबर को फर्जी बताया था, जिसमें उनके हवाले से कहा गया था कि यदि कांग्रेस को उनकी सेवा की जरूरत नहीं है, तो उनके पास दूसरे विकल्प भी हैं। केरल में कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

गुजरात में बस और कार की भिड़ंत में दंपत्ति व उनके दो बेटों समेत पांच की मौत, 9 घायल

बनासकांठा, 28 फरवरी। गुजरात के बनासकांठा जिले मेंकार (एसयूवी) और एक बस के बीच हुई टक्कर में एक दंपति और उनके दो बेटों सहित पांच लोगों की मौत हो गई जबकि नौ व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि अमीरगढ़ कस्बे के पास शाम करीब साढ़े चार बजे यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से भिड़ी बस राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की थी।अमीरगढ़ के पुलिस निरीक्षक एस के परमार ने बताया, यह हादसा उस दौरान हुआ जब बस राजस्थान के सिरोही की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि एसयूवी का चालक लापरवाही से राजमार्ग पर गलत दिशा में गाड़ी चला रहा था और इस हादसे में चालक की भी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में एसयूवी चालक दिलीप खोखरिया (32) के अलावा चार अन्य की भी मौत हो गई। परमार ने बताया कि इस हादसे में बस में सवार छह लोगों सहित नौ व्यक्ति घायल हो गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान खोखरिया की पत्नी मेवलीबेन (28), उनके दो बेटों रोहित (6) और ऋत्विक (3) के रूप में हुई है। वहीं, अन्य मृतक की पहचान सुंदरीबेन सोलंकी (60) के रूप में हुई है। ये सभी अमीरगढ़ तालुका के धनपुरा के निवासी थे।

परमार ने कहा, एसयूवी चालक ने राजमार्ग पर गलत दिशा से प्रवेश किया और उसकी गाड़ी की बस से भिड़ गई। बस अहमदाबाद से सिरोही जा रही थी। हालांकि बस चालक ने टक्कर से बचने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हुआ, क्योंकि एसयूवी गलत दिशा से आ रही थी।

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर अमित शाह की बड़ी बैठक, सीएम रेखा गुप्ता भी रहीं मौजूद

नई दिल्ली, 28 फरवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

इसके अलावा केंद्रीय गृह सचिव और आईबी चीफ समेत गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक में नवगठित दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय बढ़ाने की रणनीतियों के साथ-साथ शहर में कानून और व्यवस्था के लिए उभरते खतरों से निपटने के लिए पुलिस उपायों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के बाद रेखा गुप्ता ने कहा कि जब भी भारत सरकार ने दिल्ली के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करने वाले छोटे मुद्दों पर विवरण मांगा, तो दिल्ली की तत्कालीन (आप) सरकार ने कभी भी इस पर सहयोग नहीं किया। कहां और किन चीजों को ठीक करने की जरूरत है, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के दृष्टिकोण से दिल्ली में प्राथमिक चर्चा की गई और जल्द ही इस पर नीति बनाने पर काम किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी से जुड़े मुद्दों के समाधान पर चर्चा की गई और राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय गिरोह जो दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था के लिए समस्या हैं, उस पर भी गहन चर्चा हुई।

ये बैठक इसलिए भी खास थी, क्योंकि पूर्व सीएम शीला दीक्षित के कार्यकाल (करीब 12 साल) के बाद केंद्र के साथ दिल्ली सरकार की इस तरह की बैठक हुई। मीटिंग का मकसद दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस के बीच सामंजस्य बनाना था।

शाह देश भर में सुरक्षा स्थितियों की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने पहले भी राष्ट्रीय राजधानी के महत्व को देखते हुए दिल्ली में एक मजबूत कानून प्रवर्तन तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया है।

दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, शालीमार बाग से भाजपा की नवोदित विधायक रेखा गुप्ता, जिन्होंने 20 फरवरी को दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद के साथ बैठक में शामिल हुईं, जिसमें दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और दिल्ली पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं।

भारत की बुनियाद सनातन धर्म में निहित है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 28 फरवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारत की गहरी आध्यात्मिकता और प्राचीन सभ्यता को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि देश की बुनियाद सनातन धर्म में निहित है। धनखड़ ने आध्यात्मिक गुरु श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती के अवसर पर यहां एकत्र लोगों से कहा कि अहिंसा, शांति और भाईचारे के अपने संदेश के जरिये लंबे समय से दुनिया का पथ प्रदर्शक रहा भारत एक दिन विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा, सनातन का अर्थ है समावेशिता, सार्वभौमिक मूल्य,

देशभक्ति। इसका अभिप्राय जाति, पंथ और आर्थिक विभाजन से ऊपर उठना भी है। उन्होंने भारत की धरोहर का उल्लेख करते हुए कहा, विश्व में (भारत को छोड़कर) किसी भी देश की संस्कृति 5,000 वर्ष पुरानी नहीं है। भारत विश्व का आध्यात्मिक केंद्र रहा है और हमें इस गति को बनाये रखना होगा। धनखड़ ने 1,000-1,200 साल पहले नालंदा और तक्षशिला जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों पर हुए हमलों को लेकर भी अफसोस जताया। उन्होंने कहा, हमने अकल्पनीय बर्बरता देखी, फिर भी हम उठ खड़े हुए। अब, भारत फिर से विकास और प्रगति के पथ पर है, जो आध्यात्मिक विकास के बिना संभव नहीं है। धनखड़ ने यह भी कहा कि विश्व, भारत की आध्यात्मिकता और सभ्यता को श्री रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, श्री चैतन्य और श्रील प्रभुपाद जैसी महान हस्तियों के कारण जानता है। उन्होंने कहा, बंगाल खुदीराम बोस और चितरंजन दास की जन्मभूमि है। यह श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भी जन्मभूमि है, जिनका मार्गदर्शन राज्य और देश दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा से जुड़ी याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 28 फरवरी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक याचिका को खारिज कर दिया जिसमें इसके उस आदेश को लेकर स्पष्टीकरण का अनुरोध किया गया है जिसमें दिल्ली के सदर बाजार स्थित शाही ईदगाह पार्क में महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा स्थापित करने के मामले में दायर अपील का निपटारा कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि अदालत के आदेशों को उस संदर्भ में समझा जाना चाहिए, जिसमें उन्हें पारित किया गया था और उसके सात अक्टूबर, 2024 के आदेश में किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने शाही ईदगाह प्रबंध समिति के वकील से कहा, हमारे आदेश में किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है। आप हमें अपने आदेश की व्याख्या करने के लिए कह रहे हैं। नोटिस (डीडीए द्वारा जारी) को चुनौती देने के लिए उचित कानूनी उपाय अपनाएं। समिति ने उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के आदेश पर स्पष्टीकरण मांगा, जिसके बारे में उसने कहा कि उनकी टिप्पणियां अस्थायी थीं और केवल विवादित मुद्दे को हल करने के उद्देश्य से थीं तथा यह वक्फ अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध दिल्ली विकास प्राधिकरण को वक्फ संपत्ति का स्वामित्व हस्तांतरित करने के समान नहीं है।

पाकिस्तान की भांति बबार्दी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

-ललित गर्ग

कहते है कि जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ भागता है भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों की हत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि- त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा।

अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि ये हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दर्शाता है। मंदिरों और पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरवादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दर्शाती है। भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है। उनकी कट्टरपंथी सोच और जिन्ना को राष्ट्रपिता बनाने जैसी पहल को देख उदारवादी छात्र खुद को छला हुआ महसूस करने लगे हैं, इस कारण विश्वविद्यालयों में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। मोहम्मद यूनुस की अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कट्टरवादी सोच के कारण ही बांग्लादेश ने भारत से दूरियां बढ़ाई है। रस्सी जल गयी पर ऐंठन नहीं गयी की स्थिति में यूनुस भूल गये कि अभी भारत में नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर एवं सूझबूझ वाले विश्वनेता का शासन है, भारत से दुश्मनी कितनी भारी पड़ सकती है, पाकिस्तान की दुर्दशा से समझा जा सकता है। पाकिस्तान भारत विरोधी अभियान को लेकर बांग्लादेश पहुंचा है। मान न मान, मैं तेरा मेहमान वाली स्थिति में अस्थिर बांग्लादेश में चीन एवं पाकिस्तान जैसी तमाम बाहरी ताकतें दखल देने की इच्छुक हैं। इससे दोनों देश बांग्लादेश की जमीन से भारत को घेरना चाहते हैं, बांग्लादेश भी इन षडयंत्रकारी देशों की गिरफ्त में आ गया और वह भारत विरोध को तीक्ष्ण करने में जुट गया है। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तो बांग्लादेश समझौते के बावजूद बाधाएं डाल रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की यूनुस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी बढ़ती नजदीकियों के चलते ही बांग्लादेश में पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर में घातक एवं विनाशकारी साबित हो सकती है। वैसे इसके संकेत मिलने शुरू हो गये हैं। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका भी भारत के साथ बांग्लादेश में सकारात्मक भूमिका निभाने का संकेत दे चुका है। यह दक्षिण एशिया की शांति व समृद्धि के लिए बहुत जरूरी है।

महाराष्ट्र हो या मिजार्पुर, कहानी सब जगह एक जैसी है!

अशोक भाटिया

पुणे के स्वारगेट एसटी स्टेशन पर 26 वर्षीय महिला पर हमले की घटना ने महाराष्ट्र के हर कोने में हलचल मचा दी है। अभी कल ही मिजार्पुर में न्यायालय ने षड़यंत्र के तहत किशोरी बहला फुसलाकर भगाने व सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दो दोषी को 20-20 वर्ष व एक महिला दोषी को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है। देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 17 जून 2016 को नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध नाबालिग पुत्री को षड़यंत्र के तहत बहला फुसलाकर भगाने व सामूहिक दुष्कर्म करने की तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह फैसला कल ही आया है और पुणे में वैसी ही घटना घट गई है ।

हालाँकि पुणे रेप का आरोपी महाराष्ट्र के शिरूर तहसील के केगुनाट गांव से गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच पुणे के उढ़ निखिल पिंगले के अनुसार गन्ने के खेत से आरोपी को रात 1:30 बजे गिरफ्तार किया गया है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के पूरे प्रोसेस में गांववालों ने हमें मदद की। उन्होंने ही बताया कि आरोपी गुनात गांव में आया है। रात में उसने एक घर से पीने का पानी और खाना मांगा। इस दौरान लोगों ने उसे पहचान लिया और जानकारी पुलिस को दे दी। आरोपी को पकड़ने में भी लोगों ने मदद की।

अब भले ही आरोपी पकड़ा गया । यक्ष प्रश्न अब भी वही है कि सुबह 5।30 बजे एसटी स्टेशन परिसर में खड़ी बस में जब यह घटना हुई तो सुरक्षा एजेंसियां क्या कर रही थीं? इस पर भी अब सवाल उठने लगा है कि क्या 26 साल की महिला सुबह एसटी को पकड़ने एसटी स्टेशन आती है, क्या कोई उसे बंद बस में ले जाता है? क्या पुरुष बस में चढ़ते ही महिला को प्रताड़ित करता है और क्षेत्र को बिना किसी बाधा के छोड़ देता है? ये सभी घटनाएं अविश्वसनीय और परेशान करने वाली हैं। इससे भी ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि क्षेत्र के राजनीतिक नेता वसंत मोरे ने एसटी स्टेशन परिसर में बसों में तोड़फोड़ करने के बाद निरीक्षण किया और उनमें कंडोम और अन्य सामग्री पड़ी देखी। यह घटना इसलिए सामने आई है क्योंकि युवती ने पुलिस से शिकायत करने की हिम्मत की। उन महिलाओं, युवतियों, स्कूली छात्राओं को कौन नहीं बताता जिनके साथ दुर्व्यवहार किया गया है, इस डर से कि समाज क्या कहेगा और समाज उन्हें कैसे देखेगा?इसी से ऐसी अमानवीय घटनाओं पर से पर्दा उठता है और उनकी हिम्मत बढ़ती है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना की सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। दोषियों का पता लगाया जाएगा, दोषियों को सजा भी मिलेगी। लेकिन क्या कोई जवाब दे सकता है कि समय बीत जाएगा? पीड़िता जीवन भर सदमे से उबर नहीं पाएगी। राज्य के कोने-कोने में अब संदेश पहुंच गया है कि राज्य सरकार के एसटी स्टेशन में अब महिलाएं, लड़कियां और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। इससे राज्य सरकार की छवि और राज्य की छवि भी धूमिल हुई है। यह पता चला है कि निगम द्वारा नियुक्त निजी सुरक्षा तंत्र विफल हो गया है। जांच के दौरान पता चला कि पुलिस ने घटना के दिन दोपहर 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच बस स्टैंड पर दो बार गश्त की थी। रात 1:30 बजे और फिर 3 बजे सीसीटीवी फुटेज में यह सब साफ दिखाई दे रहा है, इसलिए पुलिस ने अपनी ड्यूटी ठीक से निभाई है।

एसटी निगम ने एक निजी सुरक्षा एजेंसी को यह काम सौंपा था; लेकिन एजेंसी के सुरक्षा गार्डों ने अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन नहीं किया और अगर उन्होंने जागरूकता दिखाई होती तो घटना से बचा जा सकता था; लेकिन जो कुछ हुआ उसके लिए राज्य सरकार निजी एजेंसी को दोषी ठहराकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती क्योंकि डिपो प्रबंधक यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार था कि निजी सुरक्षा प्रणाली ठीक से काम कर रही थी। लेकिन उसने काम ठीक से नहीं देखा। इसीलिए घटना हुई। मौके पर 10-15 लोग मौजूद थे।लेकिन किसी को शक नहीं हुआ। इसी वजह से आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने घटना को नजरअंदाज नहीं किया है। पुलिस की जिम्मेदारी अलग है और एसटी स्टैंड क्षेत्र की सुरक्षा एसटी निगम और निजी सुरक्षा एजेंसियों पर निर्भर करती है। सरकार इस घटना को लेकर पुलिस का पक्ष ले रही है, जबकि डिपो के कर्मचारी राज्य सरकार के दायरे में हैं। हालांकि घटना के बाद राज्य सरकार और घरेलू एजेंसियां अत्यधिक सतर्क थीं, लेकिन अगर यह अलर्ट पहले दिखाया गया होता, तो दोषियों में इस तरह की अमानवीय हरकत करने की हिम्मत नहीं होती। एसटी स्टेशन पर खड़ा शिवशाही का आरोपी एक आदतन अपराधी था, उसके खिलाफ अतीत में कई मामले दर्ज हैं और वर्तमान में जमानत पर बाहर है। पुणे पुलिस ने उसकी तलाशी के लिए 1 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है और स्वारगेट स्टेशन पर उसके परिवार की जांच शुरू कर दी है। तैनात 23 सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। 2020 में शख्स ने करे घाट को लूटा था। उसे लूट के एक मामले में भी दोषी ठहराया गया था। उसके खिलाफ अहिल्यानगर के सुपा, केडगांव और कोतवाली पुलिस स्टेशनों में दो मामले दर्ज हैं। घटना के बाद जब राजनीतिक तत्वों ने एसटी स्टेशन में तोड़फोड़ की, तो स्वारगेट बस स्टैंड क्षेत्र में एसटी स्टेशन में बसों के पास सुरक्षा गार्डों के केबिन के बाहर सैकड़ों कंडोम पड़े मिले। फिर यहां सुरक्षा गार्डों का केबिन क्यों है? इसको लेकर भी जनता में गुस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि लड़की को प्रताड़ित करने के बाद युवक अपने गांव गया, गांव गया और कीर्तन में भाग लिया, घटना के बाद गांव से आरोपियों का नाम और फोटो बाहर आने लगा।वह जनता के बीच रह रहे थे। इसलिए प्रचलित सामाजिक व्यवस्था के लिए लोगों के बीच खुलेआम घूमना खतरनाक है और महिलाओं और लड़कियों के लिए खतरनाक बात है। इन अपराधियों को तुरंत ढूंढना और फांसी देना संभव होगा। सख्त नियम के बिना, ऐसी घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा और दोषियों को रोका नहीं जा सकेगा। यह भुगतान करने के लिए एक बड़ी कीमत है।

इस घटना ने एक ऐसी तस्वीर बना दी है कि एसटी स्टेशन महिलाओं, लड़कियों के लिए रात में, आधी सुबह में सुरक्षित नहीं हैं। दोषियों को सबक सिखाना होगा। आम लोगों को भी चौकीदार की भूमिका छोड़ देनी चाहिए और घटनाओं के बारे में जागरूकता दिखानी चाहिए। यहां तक कि अगर स्टेशन पर मौजूद 10-15 लोग लड़की के साथ जाते तो भी लड़की के साथ इस बात को लेकर उत्सुकता से चले जाते कि लड़की बंद ट्रेन में क्यों जा रही है। शायद आज हमने एक अलग तस्वीर देखी होगी। घटना होने पर अगर घटना होने से पहले बिना गुस्सा या गुस्सा जाहिर किए जागरूकता दिखाई जाए तो आने वाले दिनों में किसी के पास गुस्सा जाहिर करने की फुर्सत नहीं होगी।

इस घटना से स्पष्ट है कि कोई भी क्षेत्र, राज्य या देश अपराध-मुक्त नहीं हो सकता। ऐसे लोग हैं जिनके पास अपराध है। पुलिस से उनमें से प्रत्येक की रक्षा करने की उम्मीद करना भी अनुचित है। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए, सरकार पुणे के स्वारगेट बस स्टेशन पर बलात्कार के बारे में बात नहीं कर सकती। इस राज्य में अपराधियों के लिए अभयारण्य जैसा वातावरण बनाने के लिए सरकार को दोषी ठहराया जाना चाहिए। वे सुझाव देते हैं। अगर हमारे क्षेत्र को बीड में तब्दील होने से बचाने का आह्वान पुणे जैसे शहर के नागरिकों को एक आह्वान देना है, जिसे कभी 'पूर्व का ऑक्सफोर्ड' कहा जाता था, जो अपने ज्ञान-संचालित ज्ञान-उन्मुख उद्योगों के लिए जाना जाता है, तो यह अभयारण्य को एक स्वाद देगा। और यह सब पुणे में। मराठवाड़ा में जो हो रहा है उसका अभी भी कोई अंत नहीं है। उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक के उन सभी की तुलना में बुद्धिमान हैं। उन्होंने राजनेता बनना पसंद किया और की भाषा को राजनीति में लाया। विदर्भ की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। कोंकण में पूरे महाराष्ट्र में जो लोग कल के महाराष्ट्र के 'हिंदू हृदय सम्राट' बनना चाहते हैं, वे आजाद हैं। यह कहना मुश्किल है कि मालवन में हाल ही में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद कथित देशविरोधी नारे लगाने वाले 15 वर्षीय लड़के की शिकायत पर जो हुआ वह कानून के शासन की अवधारणा के विपरीत नहीं है। यह सब क्या दशार्ता है?

अराजकता की ओर राज्य की प्रगति। अकेले पुणे में पिछले कुछ दिनों की घटनाओं की समीक्षा से इस तथ्य का पता चल जाएगा। इस नवीनतम बलात्कार की घटना के बाद, उस जिले के अभिभावक मंत्री अजीत पवार बड़े मुंह से कहते हैं कि दोषियों को फांसी दी जानी चाहिए। आरोपी को अभी झ अभी पुलिस ने खोजा है परन्तु सवाल यह है कि अपराध को हल करने में 24 घंटे क्यों लगने चाहिए? बलात्कार जैसे अपराध को साबित करने के लिए न्यूनतम समय की आवश्यकता होती है। यहां, अपराध की रिपोर्ट होने में 24 घंटे लगते हैं। फिर भी, जब प्रशासनिक अनुभव रखने वाले अजितदादा आरोपी को फांसी देने की मांग करते हैं, तो वह अपनी पार्टी की सबसे पठनीय महिला प्रवक्ता के स्तर पर आते हैं। यह आरोपी एक राजनीतिक कार्यकर्ता बताया जाता है और उसके खिलाफ कुछ अन्य अपराध भी प्रतीत होते हैं। राजनीति

भविष्य में छलांग : मशीनों को सोचने में सक्षम बनाएगा एजेन्टिक एआई

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

चैटजीपीटी रह जाएगा साधारण खिलौना

यदि यह कहा जाए कि चैटजीपीटी जैसी तकनीक कितनी भी हैरतअंगेज क्यों ना हो, वो एआई की वास्तविक क्षमता की सिर्फ प्रारम्भिक अवस्था का ही प्रतिनिधित्व करती हैं, तो आप हैरत में पड़ जाएंगे. जी हाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अगला चरण एजेन्टिक एआइ न केवल शब्द, छवि, कोड और वीडियो उत्पन्न करेगा बल्कि इससे कहीं आगे बढ़कर यह न्यूनतम या शून्य मानवीय हस्तक्षेप के साथ संचालनात्मक निर्णय स्वयं लेने में सक्षम होगा. एजेंटिक एआई सिस्टम की खूबसूरती यह है कि वो समझता है कि उपयोगकर्ता का अभिप्राय या दृष्टिकोण क्या है और जिस समस्या को वे हल करने का प्रयास कर रहे हैं उसका संदर्भ क्या है.

एजेंटिक एआइ का उद्भव मशीनों के साथ हमारे सहअस्तित्व की अवधारणा और संवाद के तरीके को निर्णायक रूप से बदल कर रख देगा. तीव्र गति से विकसित हो रही तकनीक की समय से आगे की यह छलांग एक ऐसे परिदृश्य में प्रवेश करने के समान है जहाँ सिस्टम तर्क कर सकते हैं, स्वायत्तता का एक स्तर रखते हुए गतिशील रूप से बदलती परिस्थितियों के अनुकूल हो सकते हैं, वे निर्णय ले सकते हैं, अनुभव से सीख सकते हैं, और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ विस्तारित अवधि तक काम कर सकते हैं.

हाल ही में चैटजीपीटी की निमार्ता कंपनी ओपन-एआई ने ऑपरेटर नामक अपने पहले मानव एजेंट सदृश्य टूल की घोषणा की, इसके बारे में बताते हुए कंपनी के बताया कि यह टूल वेबसाइट पर नेविगेट करने और बटन पर क्लिक करने जैसे ऑनलाइन कार्य बगैर किसी मानवीय दखल के स्वयं संपादित कर सकता है. अल्फाबेट के गूगल, एंथ्रोपिक और सेल्सफोर्स ने भी एजेंटों, यानि एआई सिस्टम के लिए अपने अपने प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं जो स्वायत्त रूप से कार्य कर सकते हैं. उदाहरण के लिए, एक ग्राहक सेवा बॉट की कल्पना करें जो न केवल जानकारी उत्पन्न करता है, बल्कि अपॉइंटमेंट बुक भी कर सकता है या शिकायत दर्ज कर सकता है. मेटा के मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि इस साल ये एजेंट मध्यम श्रेणी के के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जगह ले लेंगे.

जैसे-जैसे एजेंटिक एआई सिस्टम और अधिक परिष्कृत होते जा रहे हैं, एआइ के साथ संवाद करने के तरीके में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है. केवल कमांड देने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के बजाय, अब एआई सिस्टम के साथ अधिक सहयोगात्मक संबंध विकसित हो रहा है. ये एजेंट हमारे साथ वास्तविक वातार्लाप में संलग्न हो सकते हैं, वैकल्पिक समाधान प्रस्तावित कर सकते हैं, और यहां तक कि उपयुक्त अवसर पर हमारी धारणाओं को चुनौती भी दे सकते हैं. यह विकास मानव-मशीन तालमेल को एक ऐसे नवीन स्तर की ओर ले जा सकता है, जहां एआई एक उपकरण से अधिक समस्या समाधान और नवाचार में मनुष्य का जोड़ीदार बन जाता है.

पुराने चैटबॉट्स के विपरीत, एजेंटिक एआई अधिक जटिल कार्यों को संभाल सकता है और वास्तविक जरूरतों के आधार पर उत्तर प्रदान कर सकता है. यह अपने उपयोगकताओं को मानव सदृश्य अनुभव प्रदान करता है. एजेंटिक एआई मानव सहायता के बिना डेटा विश्लेषण, रिपोर्ट निर्माण और निर्णय लेने का कार्य कर लेता है और इसके बाद मनुष्यों को केवल कार्यवाही ही करना होती है. इसका जटिल ढांचा, जो धारणा, अनुभूति, क्रिया, सहयोग और प्रतिक्रिया परतों से बना है, इसे गतिशील और चुनौतीपूर्ण वातावरण में समझदारी से काम करने में सक्षम बनाता है.

धारणा परत डेटा को इकट्ठा करने, व्यवस्थित करने और व्याख्या करने के लिए उत्तरदायी है जो निर्णय लेने के लिए आधार का निर्माण करती है . इसके डेटा अधिग्रहण वाले प्रथम चरण में विभिन्न स्त्रोतों से जानकारी एकत्र करना शामिल है, जैसे कि सेंसर, ऑनलाइन डेटा फीड, या उपयोगकर्ता द्वारा दिया गया इनपुट. उदाहरण के लिए स्वचालित वाहनों के लिए कैमरे या वित्तीय अनुप्रयोगों के लिए एपीआई द्वारा एकत्रित की गई जानकारी. एक बार डेटा एकत्र करने के बाद, इसे उपयोगी बनाने के लिए विश्लेषित और संसाधित किया जाता है. इसमें अप्रासंगिक जानकारी को हटाना, प्रारूपों को मानकीकृत करना और महत्वपूर्ण विशेषताओं को उजागर करना शामिल है. पर्यावरणीय जागरूकता से लैस संदर्भात्मक समझ एआई को डेटा की अधिक प्रभावी ढंग से व्याख्या करने में सक्षम बनाती है. उदाहरण के लिए, यह अप्रत्याशित यातायात पैटर्न या असामान्य बाजार उतार-चढ़ाव जैसी विसंगतियों का पता लगा सकता है.

संज्ञान परत लक्ष्यों को निर्धारित करने, निर्णय लेने और भविष्य के उपयोग के लिए ज्ञान संग्रहीत करने पर केंद्रित है. इसका पहला चरण लक्ष्य निर्धारण है, जिसमें यह परिभाषित करना शामिल है कि एआई प्रणाली से क्या अपेक्षित है. लक्ष्यों में बाधाओं से बचने जैसे अल्पकालिक उद्देश्य और जटिल मार्गों को नेविगेट करने जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य शामिल हो सकते हैं. लक्ष्य निर्धारित होने के बाद बारी आती है निर्णय-निर्माण मॉडल की, यह प्रणाली डेटा का विश्लेषण करती है और कार्रवाई का सर्वोत्तम रास्ता चुनती है. निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करने के लिए अक्सर पुनर्बलन शिक्षण, योजना एल्गोरिदम और नियम-आधारित प्रणालियों जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाता है. इसके बाद ज्ञान प्रतिनिधित्व वाले चरण में सीखी गई जानकारी को ऐसे प्रारूपों में व्यवस्थित करना शामिल है जिन्हें आसानी से पुनः निकाला और उपयोग किया जा सके. एआई तथ्यों, संबंधों और नियमों को संग्रहीत करने के लिए ज्ञान ग्राफ या डेटाबेस का उपयोग कर सकता है.

क्रिया परत एआई प्रणाली को वास्तविक या आभासी दुनिया में निर्णयों को निष्पादित करने में सक्षम बनाता है. इसका प्रथम चरण है क्रियान्वयन तंत्र जिसमें निर्णयों को दृढ़ क्रियाओं में परिवर्तित करना शामिल है. रोबोटिक्स में, इसका मतलब रोबोटिक हाथों को हिलाना हो सकता है, जबकि सॉफ़्टवेयर में, यह विशिष्ट गतिविधि को सक्रिय करने में शामिल हो सकता है. इसके बाद निष्पादन निगरानी प्रणाली अपनी क्रियाओं की निगरानी करती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे योजना के अनुसार की जा रही हैं. यदि त्रुटियाँ होती हैं, तो एआई अपने दृष्टिकोण को समायोजित कर सकता है या चेतावनियाँ जारी कर सकता है. तत्पश्चात अनुकूलनशील व्यवहार स्थापित करने वाले चरण में अतीत की क्रियाओं से सीखने से एआई को समय के साथ सुधरने की सामर्थ्य मिलती है. परिणामों का विश्लेषण करके, एआई प्रणाली समान स्थितियों को अधिक प्रभावी ढंग से संभालने के लिए अपनी प्रतिक्रियाओं को परिष्कृत करती है.

सहयोग परत एआई प्रणालियों, मनुष्यों और नैतिक ढांचों के बीच सार्थक संवाद पर जोर देता है. इसमें मल्टी-एजेंट संचार जो यह बताता है कि जटिल वातावरण में, कई एआई एजेंटों को एक साथ मिलजुल कर काम करना चाहिए. वैसा संचार समन्वय स्थापित करना चाहिए जैसा वितरित प्रणालियों या ड्रोन झुंडों में देखा जाता है. इसके द्वितीय चरण मानव-एआई इंटरैक्शन में उपयोगकताओं को यह जानकारी प्रदान करना शामिल है कि एआई क्या और क्यों कर रहा है . पारदर्शिता विश्वास बनाने में मदद करती है और उपयोगकताओं को प्रतिक्रिया देने या सुधार करने की सुविधा प्रदान करती है. अगले महत्वपूर्ण चरण नैतिक अनुपालन में यह भरोसा दिलाया जाता है कि नैतिकता एआई डिजाइन का एक अभिन्न हिस्सा है. निष्पक्षता सुनिश्चित करने, पूर्वाग्रहित परिणामों को रोकने और जिम्मेदार उपयोग के लिए दिशानिदेर्शों का पालन करने के लिए विभिन्न प्रकार के तंत्र लागू किए जाते हैं.

फीडबैक लूप सुनिश्चित करता है कि प्रणाली नए डेटा और अनुभवों से सीखकर विकसित होती है. निरंतर सीखते रहकर एआई नई जानकारी का सामना करते समय अपने मॉडलों और रणनीतियों को अपडेट करता है. यह सुनिश्चित करता है कि प्रणाली प्रासंगिक और प्रभावी बनी रहे. इसके साथ प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली नियमित रूप से अपने प्रदर्शन का आकलन करती है, सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करती है और विश्वसनीयता बनाए रखती है.

एजेन्टिक एआई की तैनाती में परीवर्तनशीलता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए त्रुटि प्रबंधन पर जोर दिया जाता है, निष्पादन के दौरान यदि अप्रत्याशित समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, तो एआई उन्हें संबोधित करने के लिए पूर्वनिर्धारित रणनीतियों का उपयोग करता है या हस्तक्षेप के लिए मनुष्यों को सतर्क करता है. अपनी विशाल क्षमता के साथ एजेंटिक एआई भविष्य के लिए अपार संभावनाओं के द्वार खोल रहा है, लेकिन इसके परिनियोजन में कई महत्वपूर्ण दायित्व भी शामिल हैं. यदि स्वायत्त एजेंट किसी गलत योजना को निष्पादित कर देता है, तो यह एक आपदा का कारण बन सकता है. उपभोक्ता जिसकी अपेक्षा करते हैं वह परिणाम देने में एजेंट खुद से पूर्णतः समर्थ नहीं होंगे अतः हमें मानवों और एजेंटों का एक आनुपातिक गठजोड़ बनाकर चलना होगा. इनके द्वारा स्वतंत्र रूप से निष्पादित कार्यों में सुरक्षा के स्तर को बनाए रखने के लिए इन माडलों का नियमित रूप से पुनः प्रशिक्षण और पुनः कौशल विकास आवश्यक होगा.

यह परिवर्तन केवल नई तकनीक को अपनाने के बारे में नहीं है; यह कार्य प्रक्रियाओं के पुनर्मूल्यांकन और अनुकूलन के बारे में भी है. जरूरी नहीं कि बहुप्रचारित और अत्यंत आकर्षक तकनीक सबसे सटीक और विश्वसनीय भी हो, कभी कभी दुनिया की सबसे परिष्कृत और दमदार तकनीक बगैर किसी शोर या आडंबर के अपना काम शांति से पूरा कर रही होती है.

चुनौतियों के बावजूद, एजेंटिक एआई का उदय कार्यक्षेत्र में नये अवसर खोल रहा है. एआई एजेंट प्रशिक्षकों जैसी भूमिकाएँ उभर रही हैं. कार्यप्रवाह समन्वयक भी मांग में हैं. हालांकि कुछ मौजूदा कार्य स्वचालित हो सकते हैं, लेकिन कई अनिवार्य मानवीय भूमिकायें विकसित होंगी, जिसमें प्रबंधन और सहयोग करने के लिए मानव एआई के साथ मिलकर काम करेंगे. जो लोग इस परिवर्तन को जल्दी अपनाते हैं, वे दक्षता और नवाचार में सुधार का अनुभव कर सकते हैं. उन व्यवसायों के लिए जो अभी भी पहले के एआई मॉडलों पर निर्भर हैं, यह एजेंटिक एआई की संभावनाओं और क्षमताओं का पता लगाने का एक अवसर है. जिससे मानव और एआई के बीच एक सहज एकीकरण को बढ़ावा मिल सकता है.

खतरनाक है नाबालिग के हाथ में स्टेयरिंग देना

बिलासपुर नगर के मध्य नगरीय इलाके में गत दिनों तड़के एक तेज रफ्तार एसयूवी ने दूध बेचने जा रहे 24 वर्षीय युवक के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एसयूवी को एक किशोर चला रहा था। वहीं एक अन्य दुर्घटना में गलत दिशा से आ रही एक महिंद्रा स्कॉर्पियो, दोपहिया वाहन चालक से टकरा गई, जिससे दुपहिया सवार की मौत हो गई। दोनों घटनाओं में सामानता यह है कि दुर्घटनाकारित वाहन के चालक नाबालिग थे। जिला पुलिस अधीक्षक रजनीश सिंह के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन द्वारा ट्रैफिक सुधारने की दिशा में कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए नाबालिगों द्वारा वाहन चालन करने पर प्रतिबंध लगाने, कार्रवाई करने एवं उनके पालकों और स्कूल प्रबंधकों को भी सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

ज्ञातव्य हो की अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विश्व में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं भारत में घटित होती है। औसतन देश में प्रतिदिन 1,317 सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और 474 मौतें होती हैं, अर्थात हर घंटे 55 दुर्घटनाएँ और 20 मौतें होती हैं।

नाबालिगों द्वारा वाहन चालन, मोबाइल चलाना, सीट बेल्ट न लगाना, तेज गति से गाड़ी चलाना, हेलमेट न लगाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, वाहन चलाते समय लापरवाही करना। सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण मानवीय भूल भी है, विशेषकर लापरवाही से वाहन चलाना और तेज गति से वाहन चलाना। वर्ष 2023 में 68.1% मौतों के लिये तेज गति ज़िम्मेदार थी। इसके अतिरिक्त, यातायात नियमों का पालन न करने के कारण हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। बुनियादी ढाँचे की कमी भी दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह है, सड़क डिजाइन की खामियाँ, जैसे गड्ढे, उचित अंडरपास, फुट ओवरब्रिज की कमी और खराब रखरखाव वाली सड़कें दुर्घटनाओं को आमंत्रित करते हैं। वहीं दुर्घटना निगरानी प्रणाली का अभाव से भारत में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा डेटा प्रणालियाँ सार्वजनिक नीति को सूचित करने के लिये अपर्याप्त हैं। वर्तमान में, दुर्घटनाओं का पता लगाने के लिये दुर्घटना स्तर पर कोई राष्ट्रीय डेटाबेस नहीं है। वाहन-संबंधी मुद्दे जैसे वाहनों में अपर्याप्त सुरक्षा सुविधाएँ, जैसे निम्नस्तरीय इंजीनियरिंग और पुरानी तकनीक, भी उच्च मृत्यु दर में योगदान करती हैं।ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम द्वारा किये गए क्रैश परीक्षणों से पता चला कि भारत के कई सर्वाधिक बिकने वाले कार मॉडल संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित फ्रंटल इम्पैक्ट क्रैश टेस्ट में सफल नहीं हो पाए। लाइसेंस 25 साल की उम्र के बाद नाबालिग अगर गाड़ी चलाते पकड़ा गया तो उनका ड्राइविंग लाइसेंस भी 25 साल की उम्र के बाद ही बनेगा। साथ ही उसके पालकों के विरुद्ध भी सजा का प्रावधान किया गया है।

- सुरेश सिंह बैस

आस्था और अंधविश्वास

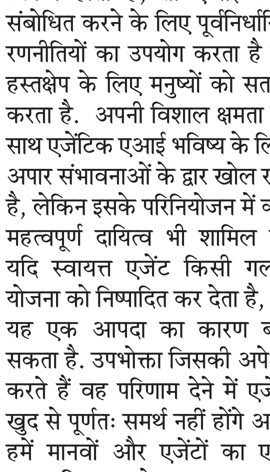

आस्था और अंधविश्वास के बीच एक बहुत ही पतली सी सीमा रेखा होती है। आस्था कब अंधविश्वास में बदल जाती है, पता ही नहीं । आज भारत में पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास की गिरफ्त में हैं। आज जरूरत है कि युवा मन में तर्कपूर्ण और वैज्ञानिक सोच विकसित की जाए। स्कूल और कॉलेजों में छात्रों को वैज्ञानिक और तर्कपूर्ण तरीके से सोचना सिखाया जाए, नहीं तो भारत विज्ञान और तकनीक में पीछे रह जाएगा। चीन में माओं ने 20वीं सदी की शुरूआत में ही अनावश्यक धार्मिक प्रथाओं को खत्म करना शुरू कर दिया था और 1970 में कहीं जाकर वह ऐसा करने में सफल हुए। चीन अपने लोगों में वैज्ञानिक और तर्कपूर्ण सोच विकसित करना शुरू किया। आज चीन विज्ञान और तकनीक में भारत से 50 साल आगे है। इसका ताजा उदाहरण चीन के यूनिवर्सिटी छात्रों द्वारा डीप सीक विकसित करना है जिसने अमेरिका के चैट जीटीपी और एआई को चुनौती दी।

भारत को समृद्ध बनाने के लिए सरकार को शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से विभिन्न समाज के लोगों द्वारा अंधविश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा है, यह देश के लिए बहुत गंभीर स्थिति है। एक तरफ लोग ऐसे अनावश्यक धार्मिक आयोजनों पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे है। बेरोजगारी और गरीबी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। हमारे देश में, आधी से ज्यादा आबादी 5 किलो सरकारी राशन पर जीवित है, यह गरीबी का स्तर है। अगर भारत को विकसित देश बनना है, तो सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर ध्यान देना चाहिए, न कि ऐसी चीजों पर जो अंधविश्वास को बढ़ावा देती हैं। यह व्यक्तिगत मेरी राय है, मैं गलत हो सकता हूं। लेकिन आम जन को इस विषय पर गहनता से विचार करने की जरुरत है की हम और हमारा देश जितना ही टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विकास करेंगे उतना ही हम और हमारा देश विकास की ओर अग्रसर होगा।

-प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति

देवेंद्र फडणवीस को मिली पाक नंबर से जान से मारने की धमकी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर पर हमले की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। यह धमकी एक पाकिस्तानी नंबर से व्हाट्सएप पर भेजी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां और चौकन्नी हो गई है। मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर तुरंत जांच शुरू कर दी। साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय समेत अन्य महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों की सुरक्षा बढ़ा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह धमकी भरा मैसेज मुंबई पुलिस के ट्रैफिक विभाग को मिला, जिसके बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। मैसेज भेजने वाले संदिग्ध ने खुद का नाम मलिक शहबाज हुमायूं राजा देव बताया है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इस धमकी के पीछे कोई विदेशी साजिश हो सकती है। इस लिए हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है। मुंबई पुलिस साइबर एक्सपर्ट्स की मदद से आरोपी को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। इस मैसेज की प्रामाणिकता की जांच की जा रही है और यह भी पता लगाने की कोशिश हो रही है कि यह मैसेज कहां से और किस मकसद से भेजा गया है। फिलहाल मुख्यमंत्री के साथ-साथ शहर के अन्य संवेदनशील इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आचार्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को युवा राष्ट्र संत से सम्मानित किए जाने की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्तमान समय में आचार्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा मानव समाज के कल्याण हेतु अनेक सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। आदिवासी इलाकों में कही स्कूल तो कहीं अस्पताल के अलावा गरीबों की हरसंभव मदद करने में जुटे हुए हुए हैं। उनके सामाजिक कार्यों को देखते हुए मानव धर्माचरण समिति (रजि.) मुम्बई के संस्थापक अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी (विद्रोही महाराज) ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मांग की है कि आचार्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को युवा राष्ट्र संत से सम्मानित किया जाय। प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में मानव धर्माचरण समिति मुंबई के संस्थापक अध्यक्ष श्री निवास तिवारी (विद्रोही महाराज) ने बताया कि श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ग्रामीण इलाकों में स्कूलों के माध्यम भावी पीढ़ी को शिक्षा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा आदिवासी इलाकों में कैंसर अस्पताल के माध्यम से गरीबों और आदिवासीयों की सेवा कर रहे हैं। इसके साथ साथ 251 आदिवासी कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। उनके इन ऐतिहासिक कार्यों को संज्ञान में लेते हुए देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी से आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को युवा राष्ट्र संत से सम्मानित किए जाने की मांग की है।

चेंबूर में महाशिवरात्रि पर हुआ विशाल भण्डारा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर मे श्री नागेश्वर महादेव मंदिर पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया. दो दिनों तक अनवरत चलने वाले अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ के उपरांत महायज्ञ हवन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जहा पर श्रद्धालुओं ने सुबह से ही कतार में खड़े होकर जलाभिषेक कर अपनी मन्नतें मांगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ब्लिस्स फार्मा प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के मालिक विशाल राव ने महाशिवरात्रि महोत्सव में पहुंचकर श्री नागेश्वर महादेव मंदिर में माथा टेका और कहा कि हर भक्त के अंदर भगवान के दर्शन की अभिलाषा रहती है और बहुत ही अच्छा लगता है ऐसे दिव्य स्थलों पर जाना चाहिए मन को शांति मिलती है। इस अवसर पर भाजपा की पूर्व नगरसेविका राजश्री पलांडे, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल ठाकूर, मंडल अध्यक्ष राहुल वाळूजं, उभाठा पूर्ब विधायक प्रकाश फातरपेकर, पूर्व नगरसेवक अनिल पाटणकर,शिवसेना शिंदे गुट के विभागप्रमुख अविनाश राणे, युवा समाजसेवक राजू नगराले,रा क पा के दीपक सावंत,समाज सेवक, उद्योग पति,एम सिद्धार्थ, शिवप्रकाश दूबे, दिनेश शुक्ला, अवधेश तिवारी सहित आरएसएस एव विश्व हिन्दू पारिषद,मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंदिर के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व का 28वा महोत्सव इस बार मनाया गया। जबकि यह मन्दिर 69 साल पुराना है जिसका जीर्णोद्धार किया गया।

पीवी सिंधु का 'किरानाप्रो' में निवेश

मुंबई। भारत के सबसे बड़े एआई-पावर्ड क्विक कॉमर्स प्लेटफार्म किरानाप्रो ने भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। खास बात यह है कि सिंधु अब कंपनी में निवेशक भी बन गई हैं, जो कि किरानाप्रो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने कंपनी के शुरूआती सीड फंडिंग राउंड में निवेश किया है, जो उनके इस ब्रांड पर गहरे विश्वास को दशार्ता है। यह साझेदारी बताती है कि सिंधु किरानाप्रो के उस मिशन से पूरी तरह सहमत हैं, जो देशभर की किराना दुकानों को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और एआई-सॉल्यूशन्स से सशक्त बनाकर भारत के रिटेल सेक्टर में क्रांति लाना चाहता है। इस साझेदारी को कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट ने संभव बनाया है, और यह ब्रांड के दीर्घकालिक लक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाती है।

पीवी सिंधु सिर्फ किरानाप्रो की ब्रांड एम्बेसडर ही नहीं होंगी, बल्कि छोटे दुकानदारों को डिजिटल दुनिया से जोड़ने में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगी। आईपीएल 2025 के दौरान, जब वह ब्रांड का चेहरा बनेंगी, तो राष्ट्रीय स्तर पर किरानाप्रो की पहचान और मजबूत होगी, जिससे कंपनी की क्विक कॉमर्स सेक्टर में अग्रणी स्थिति और मजबूत हो जाएगी।

महाराष्ट्र प्रदेश में 'बालासाहेब की पुलिस' को मिला पहला स्थान

मात्र 50 दिनों में किया 7 सूत्रीय कार्यक्रम का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र प्रदेश में जिले के पुलिस विभाग को प्रशासनिक सेवा को सुदृढ़ करने के लिए 100 दिन में 7 सूत्रीय कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु दी गई समय सीमा में मात्र 50 दिन में ही पुरा करके पालघर पुलिस अधिक्षक बालासाहेब पाटील की पुलिस महाराष्ट्र प्रदेश में सबसे तेज अव्वल बन गयी है।

महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार की ओर से मुंबई स्थित सहाद्री अतिथि गृह सभागार में गुरुवार 27 फरवरी 2025 को आयोजित सम्मान कार्यक्रम के दौरान पालघर पुलिस अधिक्षक बालासाहेब पाटील को जिले में कानून के 7 सूत्रीय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक अनुपालन करने के लिए राज्य में अव्वल बनने पर शाबाशी देते हुए प्रशस्तिपत्र देकर बधाई भेंट की गयी।

बतादें कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पूरे राज्य में 100 दिन में पुलिस प्रशासनिक सेवा के महत्वपूर्ण 7 सूत्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन जैसे बेवसाइट,सहज जीवन, स्वच्छता,शिकायत निवारण, कार्यालयीन सुविधाएं, आर्थिक एवं औद्योगिक निवेश का बढावा और क्षेत्रीय कार्यालयों में दौरा विषयक को सही मायने में कार्यान्वित करने निर्देश दिये गये थें।

राज्य सरकार की ओर से मिले 7 सूत्रीय कार्यक्रम के क्रियान्वयन के दिशानिर्देश को लेकर पालघर पुलिस ने सर्वप्रथम जनोपयोगी बेवसाइट को पहले अपडेट्स करने के साथ आम लोगों के लिए चैट बाक्स,सायबर सुरक्षा की गांव-गांव,शहर-शहर सफल मुहिम,एएल आधारित चैट बाक्स,स्वच्छता, शिकायत निवारण, ई-कार्यालय कार्य प्रणाली, विजिटर मैनेजमेंट सिस्टम, एएल का कार्यालय में उपयोग, पेट्रोलिंग को देखरेख में थर्ड आई एप्लिकेशन जैसे महत्वपूर्ण कदम का बेहतरीन उपयोग करके प्रसिद्धि प्राप्त कर ली। पालघर पुलिस द्वारा इस राज्यस्तरीय बड़ी उपलब्धि में पुलिस अधिक्षक बाला साहेब पाटील समेत अपर पुलिस अधिक्षक विनायक नरले के मार्गदर्शन और सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी के दिशानिर्देश में सभी थानों के थानाध्यक्ष तथा अन्य मातहतों का भी अभूतपूर्व योगदान रहा है।

देवरिया के आदर्श प्रधान उदयभान पाल का समरस ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया स्थित जगरनाथपुर गांव के आदर्श प्रधान उदयभान पाल का आज महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा बोरीवली पूर्व स्थित कार्यालय में सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, महासचिव शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष सतीश मिश्र,उपाध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा, विशेष सलाहकार रामकृपाल शर्मा, सचिव सुरेंद्र कुमार पांडे,विधि सलाहकार एड. प्रशांत परदेसी, छोटेलाल पाल, प्रकाश मौर्य, प्रद्युम्न पाल,दुर्गेश मौर्य तथा कन्हैयालाल मौर्य उपस्थित रहे। प्रधान उदयभान पाल ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए सम्मान के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया। जनता के बीच में अच्छी छवि होने के कारण उदयभान पाल का परिवार पिछले 20 वर्षों से प्रधान पद पर बना हुआ है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर रईस जूनियर कॉलेज में छात्रों के लिए आकाश अवलोकन कार्यक्रम

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं रुचि को बढ़ावा देने और उन्हें खगोल विज्ञान के व्यावहारिक अवलोकन से अवगत कराने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 27 फरवरी की शाम को रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज भिवंडी में जूनियर कॉलेज के साइंस के छात्रों के लिए आकाश अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें छात्रों ने रात्रि के समय आकाश का अध्ययन किया । इस अनूठे शैक्षणिक कार्यक्रम को दो भाग में प्रस्तुत किया गया ।प्रथम भाग में शाम 6 बजे स्कूल की टेरिस पर अंसारी मुहम्मद आसिम इंतेखाब अहमद (प्रवक्ता समदिया जूनियर कॉलेज) ने आकाश अवलोकन के महत्व पर एक

जानकारीपूर्ण पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया ।

इस दौरान छात्रों को सौरमंडल व विभिन्न ग्रहों के स्थान उनके आकार और उनके घूर्णन के बारे में रोचक और उपयोगी जानकारी प्रदान की । तदुपरांत फरहीन अंसारी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम के दूसरे भाग में मुकर्रम खान (प्रवक्ता रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज) ने 'स्टेलेरियम एप्लीकेशन' की मदद से आकाशगंगा , विभिन्नग्रहों , चंद्रमा आदि के विभिन्न आकार और अन्य खगोलीय पिंडों के बारे में विस्तृत जानकारी दिया ।इसके बाद प्रशिक्षित वालंटियर्स छात्रों ने उपस्थित छात्रों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया और उन्हें अपने मोबाइल हैंडसेट पर स्टेलेरियम ऐप द्वारा खगोलीय पिंडों का अवलोकन कराया । इस अवसर पर केएमई सोसायटी के सचिव दानियाल काजी, इस्माइल बोबडे, निसार मुबीन मास्टर, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उप प्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सुपरवाइजर असरार पठान, वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी, विज्ञान विभाग एवं तकनीकी स्टाफ के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित थे ।प्रिंसिपल जिया-उर-रहमान अंसारी तथा सभी अतिथियों ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की इस वैज्ञानिक गतिविधि की सराहना की । कार्यक्रम का समापन निगार अंसारी के आभार प्रदर्शन के साथ संपन्न हुआ ।

डोंबिवली में 65 अवैध इमारत बनाने वालों पर प्रांत अधिकारी दर्ज करें मामला : दिपेश म्हात्रे

प्रान्त अधिकारी को दिया गया ज्ञापन

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) पार्टी ने डोंबिवली में 65 अवैध इमारतों के खिलाफ जारी तोड़क कार्रवाई का विरोध किया है। पार्टी का कहना है कि इस कार्रवाई से कई निर्दोष नागरिकों के साथ अन्याय हो रहा है। इसी के मद्देनजर पार्टी के कल्याण जिल्हा प्रमुख दीपेश पुंडलिक म्हात्रे के नेतृत्व में पदाधिकारियों और नागरिकों ने उपविभागीय अधिकारी विश्वास गुजर से मुलाकात की और न्याय की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। शिवसेना (उद्धव) ने मांग की है कि अवैध निर्माण में शामिल भूमाफिया और बिल्डरों की जांच की जाए, फजीर्वाड़ा करने वालों पर सख्त

कार्रवाई हो और भविष्य में अवैध निर्माण को रोकने के लिए ठोस उपाय योजना बनाई जाए। साथ ही, उन्होंने विशेष जांच एजेंसी की स्थापना की भी मांग रखी। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने नागरिकों को न्याय नहीं दिया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

पीपल नीम और पाकड़ के संगम पर विराजमान है राज राजेश्वर महादेव मंदिर

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बोरीवली पूर्व के राजेंद्र नगर में पीपल नीम और पाकड़ के पेड़ के संगम पर विराजमान राज राजेश्वर महादेव मंदिर इन दिनों शिवभक्तों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

इस मंदिर के निर्माण की कहानी भगवान शिव के सपने से जुड़ी हुई है।

बता दें कि कुछ वर्ष पूर्व राजेंद्र नगर के लोगो ने अपने इलाके में पीपल नीम और पाकड़ के पेड़ों का अनोखा संगम देखा तो वहां के कुछ देव भक्तों ने उस स्थान पर शिव मंदिर बनाने का संकल्प कर लिया और उसके कार्य में जुट गए,स्थानीय भक्तों ने इस संकल्प की जानकारी उद्योगपति व शिवभक्त डॉक्टर राजेंद्रराय शर्मा को दी और उनसे शिव मंदिर के निर्माण में मदद मांगी।

उसी रात को डॉक्टर राजेंद्र राय शर्मा के सपने में आकर भगवान शिव और साईबाबा ने उन्हें मंदिर निर्माण कराने के लिए कहा,दूसरे दिन शर्मा ने सभी स्थानीय शिव भक्तों को अपने पास बुलाकर इस सपने की जानकारी दी और खुद के खर्चे पर शिवमन्दिर निर्माण का कार्य शुरू करने की बात कही।

स्थानीय शिव भक्तों के सहयोग और शर्मा के खर्चे से कुछ ही दिनों में भव्य शिवमन्दिर का निर्माण कार्य

पूरा हो गया जो आज लोगो के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

राज राजेश्वर महादेव मंदिर के सुचारू रूप से संचालन और रखरखाव के लिए एक समिति की स्थापना की गई है जिसके संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्रराय शर्मा हैं उसके तत्वावधान में महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन का भव्य आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय भाजपा विधायक संजय उपाध्याय समेत कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

समारोह को सफल बनाने में साईं राम मित्र मंडल के रवि रेड्डी, लोकेश दासरी,गणेश ठक्कर,सागर कंधार,सुरेश ठक्कर,सुनील भोसले, अशोक मेथारी,भावेश भेड़ा,राकेश दासरी, निखि पुजारी,संतोष गुरु,निकुंज भेड़ा,प्रवीण चेतपाली, शशि रेड्डी, भाविन कुड़ीदला और नरेश कोसकी ने अहम भूमिका निभाई।

इस समारोह में भाजपा वार्ड अध्यक्ष वेंकटेश क्यासराम,शिवसेना शिंदे गुट के विभागप्रमुख मनोहर देसाई, शिवसेना शाखाप्रमुख सचिन पवार,उपशाखप्रमुख जयेश पवार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वार्ड अध्यक्ष अब्दुल शेख, सुप्रीम कोर्ट के वकील बीरेंद्र शर्मा समेत भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना यू बी टी,और कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए भगवान शिव की अर्चना और पूजा की।

फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष, महाशिवरात्रि के पावन पर्व के मौके पर पालघर जिले के बोईसर शहर (प.) एमआईडीसी तारापुर क्षेत्र के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर नई बस्ती में स्थित ॐ कारेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के पश्चात विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, ओमप्रकाश द्विवेदी व अन्य पदाधिकारियों को ॐ कारेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक लाल प्रताप सिंह ने भगवा वस्त्र से सम्मानित कर भगवान भोलेनाथ का प्रसाद भेंट किया। छायांकन : उत्तरशक्ति

लंबित विकास परियोजनाओं पर आमदार सुलभा गायकवाड़ की आयुक्त से चर्चा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका की आयुक्त डॉ. इंदुराणी जाखड के साथ आमदार सुलभा गायकवाड़ ने महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की , जिसमें कल्याण पूर्व मतदान क्षेत्र की लंबित विकास परियोजनाओं और नागरिकों की तात्कालिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में यू-टाइप रोड (तिसगांव नाका से काटेमानिवली नाका), पानी आपूर्ति संकट, अवैध निर्माण पर कार्रवाई, शिव स्मारक की स्थापना, और जलस्त्रोतों की सफाई जैसे प्रमुख मुद्दों को प्राथमिकता दी गई। आयुक्त ने चिंचपाड़ा, आशेले, द्वारली, माणेरे, नांदिवली और वसार जैसे इलाकों में जल आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए त्वरित उपाय करने के निर्देश दिए, साथ ही अनधिकृत निमार्णों पर सख्त कार्रवाई और 100 फुटी रोड के समीप आधुनिक अस्पताल व क्रीड़ा संकुल निर्माण के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की बात कही। बैठक में प्रशासन को पानी चोरी करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई, अवैध निमार्णों पर तत्काल तोड़क कार्रवाई, और गैर-जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़े दंडात्मक कदम उठाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। इस समीक्षा बैठक के सकारात्मक परिणामों से जल्द ही विकास कार्यों में तेजी आएगी और नागरिकों की समस्याओं का समाधान होगा।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पीछे से कार ने मारा टक्कर तो अपाचे सवार युवक ट्रेलर में टकराया, मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार दोपहर बरमलपुर गांव के सामने अपाचे बाइक सवार 20 वर्षीय सन्नी पुत्र संजय सोनकर निवासी चंदवक कोटिया को पीछे से कार ने टक्कर मार दी। असंतुलित हो कर वह ट्रेलर से टकरा गया। सिर में आई गंभीर चोट के कारण इलाज के लिए वाराणसी ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। सन्नी अपाचे बाइक से किसी काम के सिलसिले में वाराणसी गया था। वापस आते समय आजमगढ़ वाराणसी मार्ग पर बरमलपुर गांव के सामने गोमती नदी पुल से उतरते समय मोड़ पर पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। वह असंतुलित हो आजमगढ़ की तरफ से आ रही ट्रेलर से टकरा गया। सिर में गंभीर चोटें आईं है। जानकारी होने पर स्वजन निजी अस्पताल ले गए जहां से डाक्टर ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। रास्ते में शरीर ठंडा पड़ने पर स्वजन सीएचसी चोलापुर में ले गए जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों वाहन फरार हो गए। युवक बीए का छात्र था। जवान बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जें में लेकर पोस्ट मार्टम के भेजवा दिया है अब पुलिस आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम घोषित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डायट प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक डॉ.विनोद कुमार शर्मा के निर्देशन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.गोरखनाथ पटेल के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में जनपद जौनपुर में 351 छात्रों ने सफलता हासिल की। इस परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को प्रतिमाह रुपया 1000 की दर से 01 वर्ष में रुपया 12000 तथा 4 साल (नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक) कुल 48000 रुपया प्राप्त होगा। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की मदद के लिए राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति शुरू की गई थी। इसके लिए आठवीं में पढ़ने वाले जनपद जौनपुर से 4570 बच्चों ने आवेदन किए थे। दस नवंबर को प्रदेश स्तर पर परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा में 4082 बच्चे शामिल हुए थे। जनपद के लिए कुल आवंटित छात्रवृत्ति 358 है। जिसमें कुल 351 छात्रों ने सफलता प्राप्त किया। अनुसूचित जनजाति के छात्र न होने के कारण 07 को छात्रवृत्ति नहीं मिल सकी। कंपोजिट स्कूल मयंदीपुर 6 छात्र, कंपोजिट स्कूल डीह अशरफाबाद 09 छात्र, उच्च प्राथमिक विद्यालय परसीन शाहगंज 06 छात्र ने सफलता प्राप्त किया। राष्ट्रीय आय योग्यता आधारित छात्र परीक्षा में समस्त सफल छात्रों उनके शिक्षकों को जनपद नोडल शिक्षक डॉ.ओमप्रकाश गुप्त एवं दुष्यंत मिश्र ने हार्दिक बधाई प्रेषित किया है।

निरीक्षण में गायब मिले शिक्षक व शिक्षामित्र का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा.गोरखनाथ पटेल ने विकास खण्ड जलालपुर एवं रामनगर के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने शुक्रवार को विकास खण्ड जलालपुर एवं रामनगर के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षणिक परिवेश के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया गया। बीएसए द्वारा विकास खण्ड जलालपुर के प्राथमिक विद्यालय छतारी का निरीक्षण करते हुये विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक के निर्धारित समय के पूर्व विद्यालय पर उपस्थित पाये जाने के क्रम में बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक की प्रशंसा की गयी। विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक प्रभात कुमार पाण्डेय, बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये, जिसके कारण सम्बंधित शिक्षक का निरीक्षण तिथि का वेतन बीएसए द्वारा अवरूद्ध कर दिया गया। शिक्षक आलोक कुमार यादव विद्यालय में पूर्वान्ह लगभग 09:15 बजे निरीक्षण के दौरान उपस्थित हुये, जिसके लिए बीएसए द्वारा स्पष्टीकरण निर्गत किया गया। विद्यालय मे कई तरह की अनियमितताएं मिलीं, जिसके कारण सम्बंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एक सप्ताह में समस्त कमियों में सुधार कर साक्ष्य सहित अवगत कराये जानें हेतु निर्देशित किया गया।

विकासखण्ड रामनगर के पी0एम0 श्री विद्यालय नेवादा प्रथम का निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कार्यरत शिक्षामित्र शैरूनिशा बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये, जिसके कारण सम्बंधित शिक्षिका का निरीक्षण तिथि का मानदेय बीएसए द्वारा अवरूद्ध कर दिया गया। विद्यालय की मध्यान्ह भोजन पंजिका एवं छात्र उपस्थिति पंजिका में गम्भीर अनियमितता पाये जाने पर बीएसए द्वारा प्रभारी प्रधनाध्यापक सुशील कुमार दूबे का वेतन अग्रिम आदेश तक अदेय करते हुये स्पष्टीकरण निर्गत किया गया। विद्यालय की कक्षा 7 की छात्रा से हिंदी विषय के 'उज्जवल' शब्द को ब्लैकबोर्ड पर लिखवाये जाने पर छात्रा द्वारा सही-सही लिखे जाने पर छात्रा को पुरष्कृत किया गया। प्राथमिक विद्यालय सादुल्लापुर के निरीक्षण में विद्यालय का रसोईंघर एवं प्रांगण की साफ-सफाई कराये जाने हेतु बीएसए द्वारा सम्बंधित प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया।

प्राथमिक विद्यालय चोरारी के निरीक्षण में विद्यालय को प्राप्त टैबलेट से आनलाईन मध्यान्ह भोजन के सम्बंध में सूचना अद्यतन न किये जाने, विद्यालय प्रांगण एवं कक्षा-कक्ष गन्दा, छात्र अधिगम अतिन्यून पाये जाने के साथ-साथ विद्यालय का भौतिक एवं शक्षणिक परिवेश शिक्षण अनुकूल न पाये जाने के कारण बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही एवं समस्त शैक्षणिक कर्मचारियों का वेतन अदेय करते हुये विद्यालय में प्राप्त समस्त कमियों को एक सप्ताह में पूर्ण कर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किये जानें हेतु निर्देशित किया गया।पूर्व माध्यमिक विद्यालय चोरारी के निरीक्षण के दौरान विद्यालय को प्राप्त टैबलेट से आनलाईन मध्यान्ह भोजन के सम्बंध में सूचना अद्यतन न किये जाने, छात्र उपस्थिति पंजिका में अनुपस्थित छात्रों का अंकन 25 फरवरी से न किये जाने, विद्यालय प्रांगण एवं कक्षा-कक्ष गन्दा, छात्र अधिगम अतिन्यून पाये जाने के साथ-साथ विद्यालय का भौतिक एवं शक्षणिक परिवेश शिक्षण अनुकूल न पाये जाने के कारण बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही एवं समस्त शैक्षणिक कर्मचारियों का वेतन अदेय करते हुये विद्यालय में प्राप्त समस्त कमियों को एक सप्ताह में पूर्ण कर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किये जानें हेतु निर्देशित किया गया।

छात्राओं ने नाटक के माध्यम से दिया सशक्तिकरण का संदेश

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नाट्य प्रस्तुति समेत हुई कई प्रतियोगिताएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में कुलपति प्रो0 वंदना सिंह के संरक्षकत्व में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठी भवन में भाषण एवं नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता के अन्तर्गत दहेज प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह पर प्रतिबंध, विकसित भारत की संकल्पना, वृद्धाश्रम की जरूरत क्यों? कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान एवं नाट्य प्रस्तुति प्रतिस्पर्धा के अन्तर्गत अहिल्या बाई होलकर, द्रौपदी वस्त्रहरण, श्रवण कुमार की अपने माता पिता के प्रति भक्ति, भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया उपदेश, राम वनवास, भरत मिलाप प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में

जो भी प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करेंगा उन प्रतिभागियों को 04 मार्च को महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में द्वितीय चक्र की प्रतियोगिता समूह 4 के छः विश्वविद्यालयों के बीच आयोजन में भेजा जाएगा। निर्णायक मंडल के रूप में सल्तनत बहादुर महाविद्यालय बदलापुर के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.मुमताज अहमद अंसारी, डॉ.सुशील एवं डॉ सिकंदर सर उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने किया। अतिथियों का स्वागत महिला अध्ययन केन्द्र की प्रभारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.शशिकांत यादव, कार्यक्रम संयोजक ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, डॉ.श्याम कन्हैया, डॉ.मनोज कुमार पाण्डेय डॉ.पूजा शुक्ला, स्वयंसेवक आनंद सिंह, प्रभात तिवारी, आनंद सिंह, सत्यम त्रिपाठी एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

ट्रालीबैग में मिली महिला की लाश, मचा हड़कम्प

जेसीज के मुख्य सड़क से 12 फीट नीचे फेंकी गई थी लाश

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के जेसीज चौराहे के पास शुक्रवार को नाले में एक ट्रालीबैग में महिला की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई है। लाश से निकल रही दुर्गंध से अंदाजा लगाया जा रहा है कि लाश काफी दिन पुराना है। जिले के वाजिदपुर तिराहा और जेसीज चौराहा के बीच स्थित कमला हॉस्पिटल के ठीक सामने नेशनल हाईवे से 12 फीट नीचे नाले में यह शुटकेस फेंका गया था। घटना की जानकारी सबसे पहले मडियाहू के संदीप कन्नौजिया नामक एक युवक को सबसे पहले मालूम हुआ। इस युवक ने बताया कि वह एक दिन पहले ही सुबह वहां बाथरूम करने गया था। इस दौरान उसे हल्की दुर्गंध आई तो दूसरे दिन उसने अपने

गांव के एक व्यक्ति को बताया जिनके माध्यम से दोपहर दो बजे पुलिस को सूचना दी गई। नगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश मिश्र के साथ पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की तो एक सूटकेस यानी ट्रालीबैग में महिला की लाश दिखाई दी। एसपी डॉ कौशतुभ ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया गया है । मृतक महिला की उम्र लगभग 40 वर्ष के करीब बताई जाती है। उसके शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक महिला के बारे में पड़ोसी जिलों को उसकी तस्वीर के माध्यम से छानबीन कराई जाएगी। पुलिस का मानना है कि महिला की लाश को किसी अन्य जिले से पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए यहां सूटकेस में लाकर फेंका गया है। फिलवक्त मामले की गहराई से जांच शुरू हो गई है।

जश्ने सब्रो वफा कार्यक्रम में सम्मानित किए गए युवा समाजसेवी फरमान आजमी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र से सटे ग्राम बेलहरी इमाम अली में डाक्टर गौहर अली के स्मृति में जश्ने सब्रो वफा महफिल का आयोजन किया गया।जिसमें क्षेत्र के कई समाजसेवियों को समाज मे बेहतर कार्य हेतु सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में युवा समाजसेवी फरमान आजमी को डाक्टर गौहर अली अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्बंध में पूछे जाने पर युवा समाजसेवी ने कहा की समाज सेवा इंसानियत का सबसे बड़ा धर्म है। समाज सेवा करने से हमे ऊर्जा और ताकत के साथ साथ एक अलग तरह का सकूंन मिलता है। कार्यक्रम का संचालन अस्करी अब्बास एवं मोहम्मद हसनैन ने संयुक्त रूप से किया।

शाहगंज में एसओजी का छापा, स्वर्ण व्यवसायी से हुई पूछताछ

एक छिनैती काण्ड के तफ्तीश में पहुंची थी टीम

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को शाहगंज में एसओजी टीम की धमक से नगर के कुछ स्वर्णव्यवसाइयों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। बताया जाता है की एक लूटकांड के तहकीकात के सिलसिले में आजमगढ़ जनपद के एसओजी ने ईरानी समुदाय के दो व्यक्तियों को धर दबोचा ।सूत्रों की अगर मानें तो ईरानी सुमदाय का एक व्यक्ति जो पहले भी लूटकांड जैसे अपराधों में जेल की हवा खा चुका है ।उसने दूसरे जनपद में एक लूटकांड की घटना को अंजाम दिया ।जिसमें आजमगढ़ एसओजी और स्थानीय पुलिस की टीम ने उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया ।कहा तो यहां तक जाता है की उक्त लूटकांड का

जेवरात नगर के किसी स्वर्ण व्यवसायी के यहां बेचा गया था ।जिसकी शिनाख्त के लिए शुक्रवार की दोपहर एसओजी और स्थानीय पुलिस ने नगर के एक मुहल्ले में स्थित एक स्वर्ण व्यवसाई से पूछताछ की ।इसकी सूचना फैलते ही स्वर्ण व्यवसाइयों में हडकम्प मचा रहा।और लोग तरह तरह की चचाओं में मशगूल रहे। वहीं इस सम्बंध में डिप्टी एसपी अजीत कुमार चौहान से पूछने पर उन्होंने बताया की हमारे संज्ञान में ऐसा कोई मामला नही आया है।

किशोरी को लेकर फरार हुआ युवक, मुकदमा दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली के एक गांव निवासी युवक अपने गांव की किशोरी को लेकर फरार हो गया। किशोरी की पिता के तहरीर पर कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर युवक की खोजबीन में जुट गई है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर अपने घर के बगल रहने वाले पर अपनी नाबालिग बेटी बहला फुलसाकर भगाने का आरोप लगाया है। पिता के अनुसार बेटी पर छींटा कसी करता था। वह कालेज जाती थीं तो उसका पीछा करता था। जिसकी शिकायत उसके परिजनों से की किंतु उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। उल्टा मारपीट पर उतारू हो जाते थे। बीती रात शौच के बहाने घर से निकली और उसे लेकर फरार हो गया। मैने अपनी बेटी को बहुत खोजबीन की किंतु वह नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में पिता की तहरीर पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनो की खोजबीन की जा रही है।

बच्चों से हाथ-पैर दबवाने का आरोपी शिक्षक निलम्बित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ज़िले के बदलापुर विकासखंड स्थित कंपोजिट विद्यालय ऊदपुर गेल्हवा में एक शिक्षक द्वारा बच्चों से हाथ-पैर दबवाने का वीडियो बीएसए के मोबाइल पर प्राप्त होने के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कड़ी कार्यवाही करते हुये सम्बंधित सहायक अध्यापक अखिलेश कुमार सिंह को निलम्बित करते हुये प्रकरण में जाँच कमेटी गठित कर दी है। मोबाइल पर प्राप्त वायरल वीडियो पर तत्काल संज्ञान लेते हुये जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा दोषी के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की गयी है।

बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी महिला से दिन दहाड़े छीनी चेन, पीछा कर रहे पड़ोसी पर किया तमंचा से फायर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सैदनपुर गांव निकट सिटी स्टेशन गुंजन हाल के पास कि रहने वाली वृद्ध महिला के गले से चेन छीनकर भागते हुए बदमाशों ने गोली चलाई जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। उसका उपचार जिला अस्पताल में कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल करने में जुट गई। जानकारी के मुताबिक उक्त गांव निवासी मीना श्रीवास्तव पत्नी रमेश चंद्र श्रीवास्तव शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े 8 बजे अपने घर दरवाजे के पास खड़ी थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार 3 बदमाश एक ने हेलमेट और 2 ने कपड़े से मुंह बांधे हुए अचानक उनके पास पहुंच कर गले से चेन छीनकर भागने लगे। तभी उन्होंने पति रमेश को चेन छिनने की बात कहते हुए शोर मचाकर आवाज दी तो वह डंडा लेकर बाहर निकल आए। इसी दौरान शोर सुनकर पड़ोसी विजय कुमार चौरसिया रास्ते से गुजरते समय बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किये तो एक बदमाश ने उनके ऊपर तमंचे से 2 फायर झोंक दिया। नतीजतन गोली उनके कमर के पास छूते हुए निकल गई और सभी बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद घटनास्थल के उत्तर साइड नईगंज पड़ाव की तरफ से फरार हो गए जो सीसी कैमरे में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। सूचना पर घटनास्थल पहुंची पुलिस में घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया और मामले की छानबीन करने में जुट गई। बता दें कि मीना श्रीवास्तव और पति रमेश चंद्र श्रीवास्तव अवकाश प्राप्त अध्यापक हैं और यह मूल रूप से बदलापुर के रहने वाले हैं। यहां कॉलोनी में घर बनवाकर रह है। जब दिन दहाड़े बदमाशों का इतना हौसला बुलन्द है तो फिर कैसे शहर में पुलिस शांति सुरक्षा की बात करती है। यह पुलिस के इकबाल पर एक सवालिया निशान है।

छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किया गया सम्मानित

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर में भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड क्लब द्वारा एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 15 फरवरी 2025 को प्रातः 10:00 बजे किया गया था, जिसके परिणाम की घोषणा आज महाविद्यालय परिसर में की गई। इस प्रतियोगिता में विज्ञान संकाय छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. संजय नारायण सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अल्केश्वरी सिंह ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया और प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में महाविद्यालय के प्रतिष्ठित प्राध्यापकों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण का कार्य डॉ. बृजेश कुमार मिश्रा, डॉ. अंशुमान सिंह, डॉ. राकेश गुप्ता, श्री सफीउल्लाह अंसारी, डॉ. जितेंद्र प्रसाद यादव, डॉ. मिगफार इमाम, एवं डॉ. आकाश पटेल द्वारा किया गया। सभी अतिथियों ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस आयोजन में भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड क्लब, बयालसी महाविद्यालय जलालपुर, जौनपुर की सक्रिय भूमिका रही। क्लब के मेंटर डॉ. आशुतोष पाण्डेय के निर्देशन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल कुमार एवं सह-संयोजक डॉ. मिगफार इमाम ने आयोजन की सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य अतिथियों ने इस प्रतियोगिता की सराहना की और इसे एक ज्ञानवर्धक पहल बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा गुणवत्ता, मानकीकरण और नवीन तकनीकों की उपयोगिता के प्रति जागरूक किया गया। इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों एवं प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

पांच दिन में 75 किमी की पंचकोशी यात्रा करेंगे नागा, रोज चलेंगे पंद्रह किलोमीटर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में महाशिवरात्रि पर बाबा का अभिषेक

कर दर्शन किए और मां गंगा पुण्य अर्पित किया। अब नागा साधु पंचक्रोशी यात्रा करेंगे। 75 किलोमीटर की ये यात्रा पांच मार्च को शुरू होगी और पांचों पड़ाव से होते हुए पांच दिन में पूरी होगी। पांचों पड़ाव के देवस्थलों पर दर्शन-पूजन करेंगे। श्रीपंचायती महानिवार्णी अखाड़े के पूर्व श्रीमहंत रवींद्र गिरि महाराज ने बताया कि पांच मार्च को सुबह छह बजे ये पंचक्रोशी परिक्रमा शुरू होगी। इसमें पांच सौ से अधिक नागा साधु शामिल होंगे। पांच मार्च को सुबह छह बजे शिवाला स्थित अखाड़े से साधु-संत निकलेंगे। मणिकर्णिका तीर्थ पर कूपजल से संकल्प लेकर उनकी पंचक्रोशी यात्रा मणिकर्णिका से निकलकर ये प्रथम पड़ाव कर्दमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे। यहां दर्शन-पूजन के बाद विश्राम करेंगे। अगले दिन भीमचंडी के लिए रवाना होंगे। इसी तरह रामेश्वर महादेव मंदिर, पांचों पंडवा और अंतिम पड़ाव कपिलधारा पहुंचकर यात्रा पूरी करेंगे। रोजाना पांच कोस चलेंगे यानी 15 किमी पैदल चलेंगे। आराध्यदेव कपिल मुनि को भी कराएंगे यात्रा अखाड़े के थानापति विवेक भारती ने बताया कि महानिवार्णी अखाड़े के आराध्यदेव कपिल मुनि हैं और पंचक्रोशी पड़ाव का अंतिम पड़ाव कपिलधारा है। यहां कपिल मुनि ने तपस्या की थी। इसलिए हमारे लिए ये यात्रा और महत्वपूर्ण हो जाती है। यात्रा में नागा साधु अपने आराध्यदेव कपिल मुनि की प्रतिमा को भी लेकर चलेंगे।

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी के कार्यालय में आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को दी गई विदाई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा कैम्प कार्यालय स्थित सभागार मे अधिवार्षिता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियो को विदाई समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गयी। पुलिस आयुक्त द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियो को सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र, अंगवस्त्रम व अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया।

विदाई समारोह के दौरान अपने सम्बोधन में सेवा निवृत्त होने वाले पुलिस कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य व दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए अपेक्षा की गयी कि भविष्य में भी पुलिस को उनके अनुभवों का लाभ व मार्गदर्शन मिलता रहेगा। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त लाइन श्रीमती श्रुति श्रीवास्तव, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन डा.ईशान सोनी, प्रतिसार निरीक्षक व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहें। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मी 1. उ0नि0 देवानन्द मिश्र, थाना मिजार्मुराद 2. उ0नि0 शंकर शरण पाण्डेय, थाना कैण्ट 3. उ0नि0 संजय कुमार शुक्ला, अभिसूचना 4. लीडिंग फायरमैन मंशा राम, फायर सर्विस 5. लीडिंग फायरमैन मानवेन्द्र कुमार राय, फायर सर्विस।

ट्रक की चपेट में आने से बोलेरो सवार चार की मौत, 3 बच्चों समेत सात घायल

चंदौली(उत्तरशक्ति)। जिले के नौगढ़- मधुपुर मार्ग पर जयमोहिनी पोस्ता गांव के पास बृहस्पतिवार की रात ट्रक और बोलेरो की आमने- सामने टक्कर हो गई। इस घटना में बोलेरो सवार चार लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन बच्चों सहित सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को सोनभद्र के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शहाबगंज थाना के पालपुर गांव में शादी समारोह था। 22 फरवरी को हुए कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बृहस्पतिवार की रात बोलेरो में सवार होकर आठ बड़े और तीन बच्चे सोनभद्र के रेणुकूट के लिए निकले थे। रात में लगभग 12 बजे बोलेरो जयमोहिनी पोस्ता के समीप पहुंचा थी कि सामने से ट्रक आ गया। तेज रफ्तार बोलेरो की ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और सभी सवार अंदर फंस गए। टक्कर की आवाज सुनकर एकत्र ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और बोलेरो में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इस घटना में पालपुर चकिया निवासी इश्तखार अहमद उर्फ प्रधान (45) पुत्र शेरा अली, करमहट्टी कोलकाता निवासी अख्तर अंसारी(50), हकीमुन निशा (35) पत्नी शाहजहां और सायना (07) पुत्री राजा की मौत हो गई। घटना में कोलकाता निवासी नूर अहमद पुत्र स्व. अली अकबर, रोशन आरा पत्नी शाहिद, साबरा खातून पत्नी अनवर अली, अफसाना खातून पत्नी नूर अहमद के साथ दो वर्ष, पांच वर्ष और आठ वर्ष की तीन बच्चियों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक को छोड़ कर मौके से भाग निकला। पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुटी है। इस सबंध में नौगढ़ थानाध्यक्ष कृपेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटना में चार लोगों कि मौत हुई है जबकि कई घायल हैं। घटना में शामिल ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर रमन प्रभाव पर हुआ व्याख्यान

विद्यार्थियों ने सीवी रमन और रमन प्रभाव पर देखी डॉक्युमेंट्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर छात्रों के लिए रमन प्रभाव पर विशेष व्याख्यान एवं डॉक्युमेंट्री का आयोजन हुआ। इस अवसर पर रसायन विभाग के डॉ. नितेश जायसवाल ने कहा कि चंद्रशेखर वेंकटरमन ने प्रकाश के प्रकीर्णन से संबंधित रमन प्रभाव का खोज किया। डॉ जायसवाल ने बताया सी वी रमन पहले एशियाई व्यक्ति थे जिन्हें रमन प्रभाव के लिए भौतिकी में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ। रमन प्रभाव के अनुसार, जब कोई एकवर्णी प्रकाश द्रवों और ठोसों से होकर गुजरता है तो उसमें आपतित प्रकाश के साथ अत्यल्प तीव्रता का कुछ अन्य वर्णों का प्रकाश देखने में आता है। सी वी रमन ने रमन प्रभाव के खोज की घोषणा 28 फरवरी 1928 को की और उन्हें इसके लिए 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार ने कहा कि भारत में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए 1986 में भारत सरकार ने 28 फरवरी के दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया । डॉ प्रमोद कुमार ने कहा कि इस वर्ष के विज्ञान दिवस का थीम 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' है।

रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने विद्यार्थियों को विज्ञान दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यार्थी अपने अंदर तार्किक और वैज्ञानिक सोच की क्षमता को विकसित करें। प्रो. यादव ने कहा कि विद्यार्थी समाज में विद्यमान ऊर्जा, प्रदूषण, स्वास्थ्य से संबंधित में समस्याओं को विज्ञान के माध्यम से हल करने के लिए शोध कार्य करें।

वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 में बिल्डिंग मटेरियल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की ताकत का किया जाएगा प्रदर्शन

मुंबई। वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025, भारत का अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो, 13 से 16 अप्रैल, 2025 तक यशोभूमि प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। बॉलीवुड आइकन सुनील शेट्टी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाकर, यह कार्यक्रम वैश्विक निर्माण सामग्री क्षेत्र में भारत की बढ़ती प्रमुखता को उजागर करता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के साथ संरेखित है, जो वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के देश के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। भारत का निर्माण सामग्री बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है, 2023 से 2027 तक इसकी अनुमानित उअक्र8.5% है। वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 में 300 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जो 21,000 वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में 150,000 से अधिक घरेलू आगंतुकों और 1,500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित करेंगे। यह कार्यक्रम टिकाऊ सामग्री, अत्याधुनिक तकनीक और वास्तुशिल्प समाधानों में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करेगा।

एक्सपो में सिरेमिक, टाइल्स और सेनेटरीवेयर, संगमरमर, ग्रेनाइट और पत्थर, हार्डवेयर, बाथ फिटिंग और सिंक, सीपी, पाइप और फिटिंग, प्लाईवुड, लेमिनेट और फ़्लोरिंग, पेंट और जिप्सम बोर्ड, और ग्लू, चिपकने वाले और रसायन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे, जो भवन और निर्माण उद्योग के लिए अभिनव, टिकाऊ और उच्च प्रदर्शन समाधानों की एक व्यापक श्रृंखला को कवर करेंगे। वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 स्थानीय विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा देकर भारत की आत्मनिर्भरता का समर्थन करता है। कार्यक्रम के निदेशकों ने कहा, ?हमारा लक्ष्य 'वन नेशन, वन एक्सपो' विजन के तहत एक एकीकृत मंच बनाना है, जो भारत के विकास को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग जगत के नेताओं को एक साथ लाएगा।? डीलर, वितरक, व्यापारी, थोक व्यापारी, आर्किटेक्ट, बिल्डर और इंटीरियर डिजाइनर सहित उपस्थित लोगों को उद्योग के रुझानों के बारे में जानकारी मिलेगी और वे प्रमुख खिलाड़ियों से जुड़ेंगे। प्रदर्शकों को व्यापक नेटवर्किंग और निर्यात के अवसरों से लाभ होगा। 31 मार्च 2025 तक निःशुल्क पंजीकरण खुला है।

फर्जी दस्तावेज से जमीन बैनामा कराने वाले तीन गिरफ्तार

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के बलरामपुर में फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन बैनामा कराकर बेचने व धमकाने के आरोप में उतरौला कोतवाली की पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना श्रीदत्तगंज के ग्राम टेढ़वा चुहचुहिया हाल पता अहिरौली पड़री थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर निवासी महेश गिरी उर्फ मिथलेश गिरी, ग्राम फूलपुर राजा थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर निवासी अनुपम गुप्त और थाना गौरा चौराहा के रतनपुर निवासी उमाकांत शुक्ल को बिरदा बनियाभारी चौराहे से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। थाना श्रीदत्तगंज के ग्राम खरदौरी निवासी शिवप्रिया गिरी पत्नी अवधेश गिरी ने उतरौला कोतवाली में दो नवंबर 2023 को तहरीर दिया था। आरोप लगाया था कि निबंधन कार्यालय से साठगांठ करके तीनों लोगों ने जमीन बैनामा कराया था। फर्जी बैनामा के बाद उनकी जमीन को तीसरे पक्ष को बेचने का प्रयास किया। एसपी विकास कुमार ने एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव को मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जिम्मेदारी सौंपी। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह के मुताबिक तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय भेजा गया है। उतरौला कोतवाली के सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह को विवेचना की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शोभायात्रा के साथ आज से शुरू होगी,कथाकार रवींद्र पाठक का श्रीराम कथा

श्रीरामकथा को सुनने महाराष्ट्र सहित देश विदेश से काशी आएंगे हजारों स्रोता

सुरेश गांधी

वाराणसी। चैतन्य गौशाला ट्रस्ट चिंचवड पुणे द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्रीराम कथा संकल्प के अन्तर्गत नवम पुष्प श्रीराम कथा ॠमानस मुक्तिॠ का आयोजन 1 मार्च से 9 मार्च तक रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर, सिगरा वाराणसी में होगा। मराठी भाषा में होने वाली इस श्रीराम कथा को श्रवण करने हेतु लगभग 1200 लोग महाराष्ट्र सहित देश-विदेश से आये है। श्री रामकथा वाचक श्री रविन्द्र पाठक ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि 1 मार्च को पूर्वाह्न 8.30 बजे शोभायात्रा निकलेगी। सायंकाल 5.30 बजे गणमान्य अतिथियों के उपस्थिति में श्री राम कथा का उद्घाटन होगा। यह रामकथा एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव होगा। यह नौ दिवसीय आयोजन में आध्यात्मिकता, संगीत और समुदाय सेवा का अनोखा मेल होगा। श्रीराम कथा का स्वरूप इस प्रकार है : प्रतिदिन- प्रातः काकड आरती, दिनभर नामस्मरण और रामचरितमानस पाठ, सुबह और शाम रामकथा निरुपण व गायन. 1 मार्च से 9 मार्च तक दिन मे 2 सत्र चलेंगे। शोभायात्रा में सबसे आगे हाथी पर श्री ब्रह्मचैतन्य गोंदवलेकर महाराज का चित्र और रामचरितमानस ग्रंथ रखा होगा। उसके पीछे बग्गी में संतगण बैठे होंगे। उसके पीछे श्रीराम नाम किर्तन करते हुए भाविक होंगे। प्रतिदिन स्थानीय लोगों को अन्नदान (भंडारा) दिया जाएगा। पत्रकार वार्ता में श्री काशी महाराष्ट्र सेवा समिति के ट्रस्टी संतोष सोलापुरकर, नागनाथ इनामदार, सचिन नाइक, अभिजीत अरकटकर, हिंदूराव पवार, अजीत देशमुख उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग से आठ दुकानें जलीं

सगड़ी। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के मनिकाडीह बाजार में स्थित मिठाई की दुकान सहित आठ दुकानों में बुधवार की देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस अगलगी में नकदी समेत दस लाख रुपये का नुकसान हुआ। आसपास के लोगों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक, जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के मनिकाडीह निवासी राजू प्रजापति की मिठाई की दुकान है। बुधवार की रात 1.30 बजे आग लगने से मिष्ठान की दुकान में आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि गैस सिलिंडर फट गया। इससे आसपास की दुकानों भी चपेट में आ गईं। इस दौरान राजू प्रजापति के दुकान में रखे 18 हजार रुपये नकद, फ्रीजर, फ्रिज, गुमटी, मढ़ई 65 हजार रुपये का रखा कोल्ड ड्रिंक, आलमारी, डालडा, तेल, घी समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया।

"उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक" पेश किया निष्पक्ष पत्रकारिता की मिसाल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार के मीडिया समन्वयक राजेश शर्मा ने की सराहना

मुंबई। (उत्तरशक्ति)। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने बेबाक और निर्भीक स्वरूप के लिए पहचाने जाने वाले "उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक" समाचार पत्र ने कम समय में ही पाठकों के दिलों में खास जगह बना ली है। निष्पक्ष, सटीक और जनहितकारी खबरों के कारण यह अखबार महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक लगातार लोकप्रियता की नई ऊंचाइयां छू रहा है। पत्रकारिता के इस बुलंद सफर को देखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के मुंबई विभागीय मीडिया समन्वयक राजेश शर्मा ने "उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक"की प्रशंसा करते हुए कहा। निडर और निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की असली ताकत होती है। "उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक" अपने बेबाक अंदाज और निर्भीक पत्रकारिता के जरिए जनता की आवाज को मजबूती से उठा रहा है। सत्य और ईमानदारी की यह पत्रकारिता समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अखबार की सफलता के पीछे संपादकीय टीम की मेहनत और कुशल नेतृत्व का बड़ा योगदान है। संपादक ओमप्रकाश प्रजापति और उप-संपादक प्रेमचंद मिश्रा, प्रबंधक संपादक डॉ शेषधर बिंद, स्वामी शरद प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह की अगुवाई में कर्मठ पत्रकारों की टीम हर महत्वपूर्ण विषय को निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने में जुटी हुई है। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के कारण यह अखबार तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। जहां कई मीडिया संस्थान पक्षपात और दबाव में काम करने को मजबूर हैं, वहीं ?उत्तर शक्ति दैनिक? पूरी निडरता से जनता की आवाज को बुलंद कर रहा है। प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्टाचार, सामाजिक अन्याय और जनहित से जुड़े विषयों को बिना किसी दबाव के सामने लाना ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। इस अखबार की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के कारण इसका पाठक वर्ग दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों में पाठकों का विश्वास इसे और अधिक मजबूती प्रदान कर रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उत्तर शक्ति दैनिक? की सक्रियता ने इसे और प्रभावी बना दिया है। आज के समय में जब कई मीडिया संस्थान दबाव में झुक जाते हैं, "उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक" जैसी निर्भीक पत्रकारिता समाज के लिए एक मिसाल है। इसकी खबरें समाज के हर वर्ग तक सटीक और निष्पक्ष रूप से पहुंच रही हैं, जो सच्ची पत्रकारिता का परिचायक है। हमारा उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता करना है। पाठकों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और हम आगे भी इसी निष्पक्षता के साथ कार्य करते रहेंगे। "उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक" का यह शानदार सफर दर्शाता है कि ईमानदार और निर्भीक पत्रकारिता आज भी पाठकों की पहली पसंद बन सकती है। यह अखबार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सच्ची जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह से सफल हो रहा है।

DM ने विकास भवन का किया औचक निरीक्षण

कानपुर (उत्तरशक्ति)। कानपुर में शुक्रवार सुबह डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने विकास भवन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एचआरएमएस पोर्टल के बारे में जिला कृषि अधिकारी को जानकारी न होने पर डीएम ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। वहीं, विकास भवन में गंदे शौचालय और टोटी में पानी न आने पर डीएम ने जिला विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इसमें कृषि विभाग के बाबू सागर चौधरी बिना किसी अनुमति के गायब मिले। जिला कृषि अधिकारी ने पोर्टल के बिना छुट्टी दे दी। भूतल स्थित महिला व पुरुष शौचालय में ताला लगा मिला। इसके साथ ही पानी भी नहीं आ रहा था। इस पर जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी गजेंद्र को फटकार लगाई।

पीयू एलुमनी मीट में दो मार्च को 21 राज्यों से जुटेंगे पूर्ववर्ती छात्र

पटना (उत्तरशक्ति)। पटना साइंस कॉलेज मैदान में दो मार्च को पटना यूनिवर्सिटी एलुमनी मीट में 21 राज्यों से पूर्ववर्ती छात्र जुटेंगे। दो हजार से अधिक पूर्ववर्ती छात्रों के लिए साइंस कॉलेज मैदान में तैयारी अंतिम चरण में है। यह जानकारी शुक्रवार को पटना साइंस कॉलेज के वोकेशनल बिल्डिंग में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन समिति के सदस्यों ने दी। पटना यूनिवर्सिटी एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के विकास में उनके पूर्ववर्ती छात्रों की अहम भूमिका होती है। पूर्ववर्ती छात्रों के लिए दो मार्च अहम होने वाला है। पुरानी यादों को ताजा करने के साथ हम सभी विश्वविद्यालय के विकास में अपने योगदान के अवसर की भी तलाश करेंगे। महासचिव प्रो. अतुल आदित्य पांडेय ने कहा कि रविवार को सुबह 9:30 बजे से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ होगा और देर शाम तक विविध गतिविधियों में पूर्ववर्ती छात्र शामिल होंगे। शिक्षक और एलुमनी टीम के बीच क्रिकेट मैच, हाऊजी, राउंड चेयर आदि के साथ शाम में पूर्ववर्ती छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी भागीदारी देंगे। पटना यूनिवर्सिटी के कई छात्र अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कलाकार हैं। उनका भी परफॉर्मेंस होगा। पटना साइंस कॉलेज मैदान में पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 1950 से पहले स्नातक करने वाले एलुमनी भी रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क किए हैं। कार्यक्रम में बिहार सरकार के कई मंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री, न्यायमूर्ति, पद्म सम्मान से अलंकृत विभूति, आईएएस, आईपीएस, वैज्ञानिक, प्रोफेसर, कलाकार, बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, समाजसेवी, उद्यमी आदि शामिल होंगे। अपराह्न 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आमसभा होगी। इसमें आगे की कार्ययोजना पर पूर्ववर्ती छात्र विमर्श करेंगे। पटना कॉलेज से सत्र 1946-48 में स्नातक बिहार पुलिस सेवा से सेवानिवृत केशव सिंह, पद्म विभूषण डॉ सीपी ठाकुर आदि भी अपनी पुरानी यादों को ताजा करेंगे। मौके पर प्रो आलोक कुमार, अधिवक्ता मंजू झा, डॉ. ध्रुव कुमार, डॉ. विजय कुमार चौधरी, सुधांशु आनंद आदि मौजूद थे। कोषाध्यक्ष जयशंकर बिहारी ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन आदि देशों से भी एलुमनी रजिस्ट्रेशन किए हैं। जम्मू व कश्मीर और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह से भी रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुआ है। एक मार्च की शाम 5:00 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन स्वीकार किए जाएंगे। रविवार को कार्यक्रम स्थल पर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन स्वीकार किए जाएंगे।

फूलपुर पवई विधान परिषद सदस्य रामसूरत राजभर ने ट्रामा सेंटर में डाक्टरों के नियुक्ती की मांग

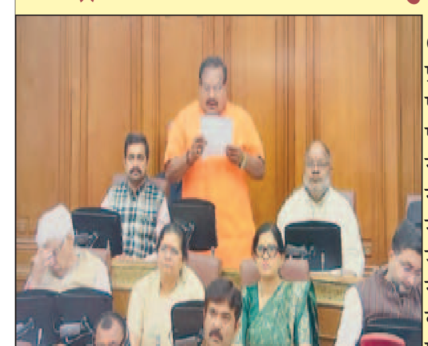

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद आजमगढ़ फूलपुर पवई विधान परिषद सदस्य रामसूरत राजभर ने विधानसभा सत्र में कई ज्वलनशील मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सभापति से अपील करते हुए कहा कि आजमगढ़ के फूलपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ट्रामा सेंटर अस्पताल का उद्धघाटन दो साल पहले मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया था। उस अस्पताल में योग्य डाक्टरों की नियुक्ति न होने के कारण क्षेत्र के मरीजों का बहुत बूरा हाल है। जिसके कारण मरीजों के उपचार हेतु उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया जाता है। जहां पर मरीजों के परिजनों को भारी खर्चा तो अदा करना पड़ता है लेकिन कभी कभी तो मरीजों की जान चली जाती है। क्यों कि वाराणसी तक पहुंचने में मरीजों को कई घंटे लग जाते है, जिससे गंभीर रुप से मरीज को समय से सही उपचार नही मिल पाता है। जहां पर समय और पैसे दोनों का अभाव होता है। उन्होने सभापति से मुख्यमंत्री के माध्यम से शीघ्र ही ट्रामा सेंटर में योग्य डाक्टरों की नियुक्ति की मांग की। जिससे वहां के जनता-जनार्दन को राहत प्राप्त हो सके।

निया जायसवाल का जन्म दिन मनाया गया

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार मोहक सीटी राजेश जायसवाल की सुपुत्री श्रीमती रुपा जायसवाल की लाडली पुत्री निया जायसवाल का द्वितीय जन्म दिन रजवाड़ी ब्रिज पर 22 फरवरी 2025 को बड़े धूमधाम से मनाया गया। उनके जन्मदिन पर पिता पवन जायसवाल व माता रुपा पवन जायसवाल, नाना राजेश जायसवाल, दादा विजय जायसवाल, दादी पर्मिला ने निया को दीर्घायु की कामना करते हुए जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर मुंबई पंहुचा सनफीस्ट डार्क फैंटेसी का 'बिग फैंटेसी स्पेसशिप'

मुंबई। बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में अपनी सफलता के सफर को जारी रखते हुए, सनफीस्ट डार्क फैंटेसी का प्रसिद्ध फैंटेसी स्पेसशिप अब मुंबई पहुंच चुका है। यह 28 फरवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर यहां लाया गया है। बिग फैंटेसीजः अपनी कल्पना को पंख दें? कैम्पेन के तहत, यह स्पेसशिप बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए कला और तकनीक का अनूठा मेल प्रस्तुत करता है। मुंबई के विभिन्न हिस्सों से आए बच्चों को नेहरू साइंस सेंटर में स्थापित फैंटेसी स्पेसशिप का अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो 2 मार्च 2025 तक वहां निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह विशेष बस बड़े इंटरैक्टिव स्क्रीन से लैस है, जो बच्चों की हाथ से बनाई गई चित्रकारी को जीवंत डिजिटल रचनाओं में बदलती है, साथ ही उनकी मौलिकता को बनाए रखती है। स्कैन करने के बाद, उनकी कला को डिजिटल रूप से 3डी इंटरैक्टिव कैरेक्टर्स में परिवर्तित किया जाएगा, जिसे फैंटेसी स्पेसशिप के अंदर विशाल टच-इनेबल्ड स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा। इस आयोजन के पहले दिन में 500 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल पर अपने विचार साझा करते हुए, आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन, बिस्किट्स और केक्स क्लस्टर के सीओओ, अली हारिस शेर ने कहा, ?राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर नेहरू साइंस सेंटर के साथ साझेदारी करना युवा प्रतिभाओं और उनकी असीम संभावनाओं को प्रोत्साहित करने का एक अद्भुत तरीका है। हर क्षण हमें यह याद दिलाता है कि उनके भीतर कितनी अद्वितीय रचनात्मकता समाई हुई है। हम आने वाले दिनों में और भी अधिक युवा सपने देखने वालों का स्वागत करने और उनकी कल्पनाओं को नई दिशाओं में उड़ान भरते देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं! इस अनोखे अनुभव से उत्साहित होकर, प्रतिभागी राहुल ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मुझे सुपरहीरो बहुत पसंद हैं, और आज मैंने अपनी ड्राइंग को बड़े पर्दे पर एक असली डिजिटल सुपरहीरो में बदलते हुए देखा! यह मेरी कल्पना के सच होने जैसा था। उनकी मां अंजली ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, एक माता-पिता के रूप में, मैं हमेशा ऐसे अवसरों की तलाश में रहती हूं जो मेरे बच्चे की रचनात्मकता को बढ़ावा दें।

धूमधाम से मनाया गया त्रिशा का जन्मदिन

मुंबई। त्रिशा दाधीच का जन्मदिन जुहू स्थित नाइन्स में बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान त्रिशा दाधीच के पति अभीर दाधीच और वहां पर मौजूद सभी लोगों ने त्रिशा दाधीच जी के जन्मदिन पर केक काटकर मुबारकबाद दी और ईश्वर से उनकी अच्छी सेहत और कामयाबी की दुवाएं की। त्रिशा की बर्थडे पार्टी एक यादगार रात थी, यह शानदार जगह संगीत, हंसी और ग्लैमर से जगमगा उठी। अपने खास दिन को मनाने के लिए दोस्तों और परिवार के साथ इकट्ठा हुए त्रिशा ने शानदार कपड़े पहने और खुशी से झूम उठी। मेहमानों ने रात भर डीजे सेट पर डांस किया, जबकि एक शानदार कस्टम केक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। स्वादिष्ट भोजन और सिग्नेचर कॉकटेल ने सभी को उत्साहित रखा और माहौल में लगातार मस्ती होती रही। नाइन्स में त्रिशा का बर्थडे स्टाइल, हंसी और अविस्मरणीय यादों का एक बेहतरीन मिश्रण था। जन्मदिन के इस शानदार कार्यक्रम में फिल्म जगत, राजनीति से लेकर बिजनेसमैन तक सभी जानी मानी हस्तियों ने शिरकत की। दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने जन्मदिन के इस कार्यक्रम में पहुंचकर त्रिशा को केक खिलाकर उनकी लंबी उम्र की दुवाएं दी। साथ ही इस मौके पर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी, फिल्म निमार्ता निर्देशक और अभिनेता सुजॉय मुखर्जी, फिल्म निर्देशक अजहर हुसैन सहित अन्य हस्तियों ने पहुंचकर त्रिशा को जन्मदिन की मुबारकबाद दी।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने मुंबई में अपना विस्तार किया

मुंबई। भारत के तीसरे सबसे बड़े आईवीएफ नेटवर्क, बिरला फर्टिलिटी और आईवीएफ ने मुंबई में अपने पहले सेंटर की शुरूआत की है। यह एडवांस्ड फर्टिलिटी सेंटर, जो अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन विशेषज्ञता से सुसज्जित है, लोगों के लिए फर्टिलिटी ट्रीटमेंट को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। सेंटर की स्थापना प्रभादेवी में की गई है, जिससे यह शहर के विभिन्न हिस्सों से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सेंटर का उद्घाटन प्रसिद्ध आईवीएफ विशेषज्ञ और मुख्य अतिथि, डॉ. हृषिकेश पै द्वारा किया गया, जिसमें बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ के सीईओ, अभिषेक अग्रवाल; केंद्र प्रमुख, डॉ. नविना सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। महाराष्ट्र में अपने विस्तार की दिशा में, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ अगले 8-12 महीनों में मुंबई में चार और सेंटर खोलने की योजना बना रहा है। हमारा नागपुर का एक सेंटर एक साल से कार्यरत है। इसके अलावा, पुणे और नासिक में भी नए केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि पूरे क्षेत्र में विशेषज्ञ-निर्देशित फर्टिलिटी केयर की पहुंच को और सशक्त बनाया जा सके। भारत में 28 मिलियन से अधिक जोड़े फर्टिलिटी से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विशेषज्ञ फर्टिलिटी ट्रीटमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती फर्टिलिटी केयर तक पहुंच अब भी कई लोगों के लिए एक बड़ी बाधा बनी हुई है। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ उन्नत ट्रीटमेंट को किफायती और सुलभ बनाकर समग्र फर्टिलिटी समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसकी जरूरत के समय सही देखभाल मिल सके।

तेज रफ्तार पिकअप की चपेट मे आने से बाइक सवार मौत

अयोध्या (उत्तरशक्ति)। रामनगरी अयोध्या में रुदौली क्षेत्र के भौली गांव निवासी बाइक सवार युवक सड़क हादसे में गंभीर अवस्था में घायल घंटों मार्ग पर तड़पता रहा। परिजनों ने रुदौली सीएचसी में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज दर्शन नगर रेफर कर दिया गया। रास्ते में ही युवक की मौत हो गई। मृतक सुमित कुमार लोधी (18) पुत्र दुखीराम लोधी के परिजनों ने बताया कि घर पर मृतक के भाई की शादी के तीन दिन बचे थे। इस मौके पर कथा सुनने का आयोजन भी होना था। (सुपर एक्सल पर सवार होकर दो युवक रुदौली सामग्री लेकर घर आ रहे थे। सैदपुर मार्ग मड़हा पुल के निकट शुक्रवार दिन में लगभग 11:30 बजे सैदपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने ओवरटेक किया। पिकअप में सुमित का कपड़ा फंस गया। पिकअप के साथ घसीटते हुए कुछ दूरी पर जा गिरा, पीछे बैठा एक साथी सही सलामत बच गया। डॉ अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि युवक के सिर पर अधिक चोटें थीं। एस आई जयसिंह ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है।

पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी का रेल यात्रियों के साथ संवाद कार्यक्रम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर और फ्लोरा फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी बाबू भाई भवानजी मुंबई के लोकल ट्रेन के यात्रियों और नागरिकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया है। ताकि उनकी समस्याओं को समझकर उन्हें रेल मंत्री के समक्ष उठाया जा सके और मुंबई के लोकल ट्रेन के यात्रियों को कुछ राहत दिलाई जा सके। उक्त जानकारी देते हुए भवानजी ने बताया कि मुंबई रीजन में लोकल ट्रेन सेवा लाखों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है और लाखों यात्री इससे यात्रा करते हैं। इन ट्रेनों में भीड़ के कारण यात्रियों को चढ़ने और उतरने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे न केवल यात्री असुविधा महसूस करते हैं, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। इन मुद्दों पर अनेक नागरिकों और लोकल ट्रेन के यात्रियों ने कई बार उनका ध्यान आकृष्ट किया और स्वयं इस मुद्दे पर निरीक्षण और उचित कार्रवाई का अनुरोध उनसे किया था। उन्होंने कहा कि नागरिकों के इस अनुरोध पर उन्होंने स्वयं और हमारे फाउंडेशन के सदस्यों ने कई बार अनेक स्टेशनों का निरीक्षण किया और लोकल ट्रेन में यात्रियों के साथ यात्रा करके उनसे बातचीत की है और उनकी समस्याओं को जानने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर व्यापक विचार विमर्श के बाद मुंबई के लोकल ट्रेन के यात्रियों की सुविधा के लिए एक सुझाव पत्र तैयार किया गया है जिसे रेल मंत्री से मिलकर उन्हें दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही साथ हम यात्रियों और नागरिकों से इस मुद्दे पर और सुझाव आमंत्रित करते हैं ताकि जनता से मिले अन्य महत्वपूर्ण सुझावों को रेल मंत्री के समक्ष रखा जा सके। इसलिए मुंबई के नागरिकों और लोकल ट्रेन के यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे लोकल ट्रेन से जुड़ी समस्या पर अपने सुझाव उन्हें वॉट्सएप नंबर 7977906143 पर भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बारे में रेल मंत्री को भी एक पत्र भेजकर उनसे अनुरोध किया गया है कि वे इस मुद्दे पर बात करने के लिए शिष्ट मंडल को समय दें ताकि जरुरी सुझावों को उन तक पहुंचाया जा सके और मुंबई के रेल यात्रियों को कुछ राहत मिल सके।

श्री दंबाकाली मंदिर के गौरीश गुरुजी बने पीठाधीश्वर

मुंबई। अमावस्या के शुभ मुहूर्त पर महाराष्ट्र के शहापुर के प्रसिद्ध दंबाकाली मंदिर के प्रमुख गौरीश गुरुजी को पीठाधीश्वर पद की उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर विरक्त साधु समाज नासिक मंडल, दिगंबर अखाड़ा, और पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत डॉ. भक्तीचरणदास महाराज सहित अनेक साधु-संतों एवं महंतों की उपस्थिति रही। नासिक में हुए इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान गौरीश गुरुजी का विधिवत पट्टाभिषेक किया गया और उन्हें आध्यात्मिक परंपरा के तहत पीठाधीश्वर पद पर आसीन किया गया। गुरुजी को यह सम्मान उनके आध्यात्मिक योगदान और धार्मिक गतिविधियों के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए प्रदान किया गया। पीठाधीश्वर गौरीश गुरुजी वही संत हैं, जिन्होंने भारत से कैलाश पर्वत के दर्शन संभव कराने के लिए विशेष प्रयास किए और इस कार्य में सफलता भी प्राप्त की। उनके प्रयासों से श्रद्धालु अब अपने देश से ही कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। गौरीश गुरुजी का संपूर्ण जीवन धार्मिक सेवा, गौ-रक्षा, और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं को मजबूत करने के लिए समर्पित रहा है। इस अवसर पर श्री दंबाकाली मंदिर समिति के न्यासी प्रशांत देशमुख, सचिन रांजणे, ऋतुराज चौधरी, सुनील सोगीर सहित कई भक्तगण उपस्थित रहे। पीठाधीश्वर पद पर आसीन होने के बाद गौरीश गुरुजी ने सभी भक्तों को धर्म और समाज की सेवा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

स्व. उमेश पाटील स्मरणार्थ भव्य रक्तदान शिविर संपन्न

मुंबई। समाजसेवी स्व. उमेश रामचंद्र पाटील के स्मरणार्थ संतोष अबगुल प्रतिष्ठान के मार्गदर्शन में आशीष पाटील द्वारा भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन मुलुंड हाई स्कूल हॉल, चंदन बाग रोड, मुलुंड प. पर किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में संजय माली सुप्रसिद्ध समाजसेवक, डॉ. सचिन सिंह अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन, जगदीश शेट्टी शिवसेना नेता, मुलुंड, राकेश मिश्रा (शिक्षा विद) उपस्थित रहे। इस शिविर में 174 युवकों ने रक्तदान किया। यह शिविर महात्मा गाँधी रक्तपेढ़ी, ठाणे के सहयोग से संपन्न हुआ। रक्तदान करने वाले युवक /युवतियों को अतिथियों द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। शिविर को सफल बनाने में सौ. प्राची पाटील, विजय पिनमोचा, मयूरेश आम्बोकर, वैभव अडविलकर , अंकिता अंबोकर, अमृता पिनमोचा एवं मुलुंड के अनेक मंडलो का विशेष योगदान प्राप्त हुआ।

जिसने चीन को तकनीक में बनाया दुनिया की महाशक्ति

बीजिंग। चीन से एक बार फिर हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार चीन के उद्योग एवं सूचना प्रद्योगिकी मंत्री जिन झुआंगलोंग पिछले कई हफ्तों से लापता हैं। गत दो महीनों से उनका कोई सुराग नहीं मिला है। लंबे समय तक गायब रहने के कारण उद्योग एवं सूचना प्रद्योगिकी मंत्री जिन झुआंगलोंग को पद से हटा दिया है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार चीन के एयरोस्पेस क्षेत्र में एक प्रमुख नाम जिन झुआंगलोंग को देश के उद्योग मंत्रालय के कम्युनिस्ट पार्टी सचिव के पद से हटा दिया गया है। शुक्रवार को मंत्रालय के एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में बताया गया कि उनकी जगह ली लेचेंग को नियुक्त किया गया है। ऐसा माना जाता रहा है कि चीन को तकनीकी महाशक्ति बनाने में जिन झुआंगलोंग का नाम सबसे ऊपर आता है। फर्स्ट पोस्ट के अनुसार, पिछले कई दिनों से जिन झुआंगलोंग किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आए थे।

हालांकि, लापता होने से पहले जिन झुआंगलोंग ने कई प्रेस कॉन्फ्रेंस और सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। वह चीनी पीएम ली कियांग के साथ कई दौरे पर भी साथ में रहे। चीन में ये कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई मंत्री गायब हुआ है। इससे पहले भी तीन मंत्री गायब हो चुके हैं। चीन में इससे पहले रक्षा मंत्री, कृषि मंत्री और विदेश मामलों के मंत्री भी गायब हो चुके हैं। काफी समय लंबे समय तक गायब होने के कारण इन मंत्रियों को भी पद से हटा दिया गया था। ऐसा माना जाता रहा है कि इन मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप रहे हों, जिस कारण ये लंबे अंतराल तक गायब रहे हों। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त नीति अपनाते हैं।

गौरतलब है कि चीन के जिन झुआंगलोंग को सरकारी विमान निमार्ता कंपनी कॉमैक के अध्यक्ष के रूप में काफी प्रसिद्धि मिली थी। उन्होंने चीन में पहले घरेलु यात्री जेट उ919 के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जानकारी दें कि कॉमैक में मिली सफलता के बाद जिन झुआंगलोंग को चीन के केंद्रीय सैन्य-नागरिक संलयन कार्यालय में बड़ी जिम्मेदारी दी गई। उन्हें इस कार्यालय में उप निदेशक के रूप पदोन्नति दी गई। वहीं, साल 2022 में भ्रष्टाचार विरोधी जांच में पूर्व मंत्री शियाओ याकिंग को पद से हटा दिया गया, इसके बाद जिन झुआंगलोंग को उद्योग और सूचना तकनीक मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया।

पड़ोसी देश चीन दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके साथ ही सबसे बड़ी स्टैंडिंग आर्मी से लेकर यूएनएसी में परमानेंट मेंबरशिप तक चीन के पास सब कुछ है। हालांकि, इसके बावजूद भी चीन में सरकार का दखल हर छोटी-छोटी चीजों में है। बताया जाता है कि चीन में जब माओ की सत्ता थी, तब वह अपने विरोधियों को चुन-चुनकर ठिकाने लगाता था। इसके बाद शी चिनफिंग भी इसी रास्ते पर बढ़ रहे हैं। ऐसा देखा जाता रहा है कि जब भी चीन में कोई बिजनेसमैन ज्यादा आगे बढ़ने लगता है या किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी का महत्व बढ़ने लगता है, इस स्थिति में ऐसे लोगों से सरकार को खतरा महसूस होने लगता है। इसके बाद उनके खिलाफ जांच बैठ दी जाती है।

ब्रह्मा कुमारीज मुलुंड द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का आयोजन

मुंबई। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज मुलुंड की प्रधान कार्यालय पर राजयोगिनी डॉ बी के डॉ गोदावरी दीदी की अध्यक्षता में महाशिवरात्रि पर्व पर त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ बाबुलाल सिंह उपाध्यक्ष मुंबई कांग्रेस, ब्रह्माकुमारी डॉ लाजवंती बहन, संचालिका ब्रह्माकुमारीज भांडुप, कांबले पुलिस अधिकारी मुलुंड, समाजसेवी लालजी,मीना बेन ठक्कर, दर्शना बेन राठौड़ भाजपा नेता उपस्थित रहे। महोत्सव का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा ध्वज फहरा कर, दीप प्रज्वलित कर एवं शिवलिंग पर हार चढ़ा कर किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें जीवन में सुख, शांति, समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के उपाय सुझाये गये है। मंच का संचालन ब्रह्मा कुमारी वर्षा बहन एवं सहयोग सविता बहन, उर्वशी बहन एवं पूजा बहन ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे एवं महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में देवेंद्र नारायण पटेल एवं संजय हीरानंदानी, दिलीप ठक्कर महाराज का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

यूपी में कांग्रेस महाअभियान के सहारे मतदाताओं को पार्टी से जोड़ेगी 100 दिन में होंगी 600 सभाएं

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। मतदाताओं से जुड़ने के लिए कांग्रेस ने नई रणनीति अपनाई है। इसके लिए पार्टी हर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जोड़ो महा अभियान चलाएगी। विधानसभा क्षेत्रों में 100 दिन में करीब 600 सभाएं आयोजित कर एक लाख लोगों से संकल्प पत्र भरवाए जाएंगे। इसकी शुरूआत आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से 28 फरवरी से हो रही है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तत्परता से मैदान में जुटी है। पार्टी यह चुनाव सपा अथवा अन्य दलों से मिलकर लड़ेगी या नहीं, यह तय होना बाकी है, लेकिन पार्टी मतदाताओं को खुद से जोड़ने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इसी रणनीति के तहत यह मुहिम शुरू की जा रही है। नमस्ते निजामाबाद के नाम से शुरू होने वाले इस महा अभियान की जिम्मेदारी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश संगठन महासचिव अनिल यादव को सौंपी गई है। महाअभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना और संविधान सुरक्षा के मुद्दे पर हर ग्राम पंचायत में तीन सभाएं होंगी। इस तरह पूरे विधानसभा क्षेत्र में 500 से 600 सभाएं होंगी। इस दौरान एक लाख से अधिक लोगों से संकल्प पत्र भरवाया जाएगा। 51 सदस्यों की निजामाबाद एक्शन कमेटी भी बनाई जाएगी।

किया इंडिया को 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' के रूप में मान्यता मिली

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रिमियम कार निमार्ता कंपनी, किया इंडिया को फरवरी 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के लिए प्रतिष्ठित 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। यह प्रमाणन किया इंडिया की अपने कर्मचारियों के लिए विश्वास-आधारित, समावेशी और उच्च-प्रदर्शन कार्यस्थल संस्कृति को बनाने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जहां कर्मचारी मूल्यवान, सशक्त और प्रेरित महसूस करते हैं। देशभर के कॉर्पोरेट, क्षेत्रीय और प्लांट कार्यालयों से 92% से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी के साथ, यह उपलब्धि किया इंडिया की कर्मचारी-मित्र नीतियों को दशार्ती है, जो इसके कर्मचारियों के सर्वांगीण पेशेवर विकास को प्राथमिकता देती हैं। किया इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्री ग्वांगगु ली ने कहा, ऱ्ग्रेट प्लेस टू वर्क के रूप में मान्यता प्राप्त होना हम सभी के लिए एक गर्व की बात है। ग्राहक-केंद्रित, लोगों पर ध्यान केंद्रित करने वाली और सहयोगी 'वन टीम' संस्कृति को बढ़ावा देना हमारी कार्यशैली का मूल है। यह प्रमाणन हमारी निरंतर यात्रा का प्रमाण है। हम अपने लोगों की बात सुनने, उनकी अंतर्दृष्टियों से सीखने और उनके विकास में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे किया इंडिया को एक और अधिक प्रेरणादायक कार्यस्थल बनाया जा सके। जैसे-जैसे हम मोबिलिटी को पुनर्परिभाषित करते हैं, हम नवाचार और विकास को बढ़ावा देने वाले कार्यस्थल के निर्माण के अपने मिशन में अडिग हैं।

उदयती फाउंडेशन ने स्वराज ट्रैक्टर्स और स्वराज इंजन्स में लैंगिक विविधता में परिवर्तनकारी प्रगति पर प्रकाश डाला

मुंबई। उदयती फाउंडेशन ने एक अध्ययन जारी किया है जिसमें महिंद्रा के स्वराज डिवीजन और स्वराज इंजन लिमिटेड (स्वराज) द्वारा दुकानों में लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने में की गई उल्लेखनीय प्रगति को दशार्या गया है।

अध्ययन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने में स्वराज के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है - जो 2013 में सिर्फ 1.5% से बढ़कर 2024 में 10% से अधिक हो गया है, जिससे भारत के ट्रैक्टर विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बेंचमार्क स्थापित हुआ है। महिला कर्मचारियों की अनुपस्थिति कम है और प्रतिधारण दर अधिक है, जो उत्पादकता और परिचालन दक्षता को बढ़ाने में योगदान देती है, इसलिए विनिर्माण क्षेत्र में उनके समावेश के लिए एक मजबूत मामला बनता है। तकनीकी ट्रेडों में सीमित नामांकन, सांस्कृतिक प्रतिरोध और सुरक्षा चिंताओं जैसी चुनौतियों के बावजूद, स्वराज ने इन बाधाओं को दूर करने के लिए लक्षित पहलों को लागू किया है। एक उल्लेखनीय उपलब्धि यह है कि महिलाओं को उनकी फाउंड्री सुविधाओं में शामिल किया गया है, जो पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्र है, जिसमें शारीरिक सहनशक्ति और तकनीकी सटीकता की आवश्यकता होती है।

स्वराज ने अभिभावकों को परामर्श देने, दुकानों में दौरे आयोजित करने, सांस्कृतिक चिंताओं को दूर करने तथा महिलाओं को विनिर्माण क्षेत्र में करियर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करने के माध्यम से समुदायों के साथ सक्रिय रूप से काम किया है। उदयती फाउंडेशन की संस्थापक सीईओ पूजा गोयल ने प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ऱ्स्वराज की यात्रा कौशल, बुनियादी ढांचे और सामुदायिक जुड़ाव में निवेश के परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित करती है। यह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने और भारत की विकास कहानी में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक अनुकरणीय मॉडल पेश करता है। इन सफलताओं के बावजूद, चुनौतियां बनी हुई हैं। तकनीकी शिक्षा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी कम है, पंजाब के आईटीआई में 17,000 छात्रों में से केवल 400 ही डीजल मैकेनिक और मशीनिस्ट जैसे ट्रेड में नामांकित हैं। इसके अलावा, अनुबंधित भूमिकाओं पर निर्भरता इस क्षेत्र में महिलाओं के लिए दीर्घकालिक कैरियर विकास को सीमित करती है। इन अंतरालों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासों और प्रणालीगत परिवर्तनों की आवश्यकता होगी।

VESCOA ने डाउन टू अर्थ सत्र की मेजबानी की!

मुंबईः विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर (VESCOA) ने पर्यावरण स्थिरता के अग्रदूत श्री प्रेम जैन की जयंती के उपलक्ष्य में हरित प्रेम भारत महोत्सव के हिस्से के रूप में डाउन टू अर्थ नामक एक आकर्षक सत्र की मेजबानी की। प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट (PJMT) और इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) मुंबई चैप्टर के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में श्एरउडअ के 500 से अधिक छात्र, अन्य संस्थानों के 100 छात्र और लाइव YouTube स्ट्रीमिंग के माध्यम से व्यापक दर्शक एक साथ आए।

सत्र में प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें डॉ. प्रो. आनंद अचारी (प्रधानाचार्य, श्एरउडअ), डॉ. माला सिंह (अध्यक्ष, IGBC मुंबई चैप्टर), एआर, संदीप शिकरे (तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष, IGBC मुंबई चैप्टर), पद्मनाभ सुब्रमण्यन, सुश्री स्नेहा जगड़े, एआर गार्गी

प्रियंवदा और भावेश मेहता (कोर कमेटी सदस्य, IGBC मुंबई चैप्टर) शामिल थे, जिन्होंने स्थिरता पर विविध अंतर्दृष्टि साझा की। दैनिक जीवन में स्थिरता को एकीकृत करने, संरचित नेट जीरो फ्रेमवर्क के महत्व और कार्बन, जल, ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोणों के इर्द-गिर्द चचोएं घूमती रहीं। बातचीत में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों का सम्मान करते हुए वास्तुकला के डिजाइन में स्थिरता को कैसे शामिल किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने छात्रों को स्थिरता की आकांक्षाओं को कार्रवाई में बदलने, क्षेत्र में कैरियर के अवसरों का पता लगाने और एक सतत सीखने की प्रक्रिया के रूप में स्थिरता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्एरउडअ ग्रीन क्लब ने स्थिरता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को प्रस्तुत किया, जिससे अन्य संस्थानों को भी इसका अनुसरण करने की प्रेरणा मिली। इस कार्यक्रम में बिजनेस स्कूल विभाग और प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान को IGBC छात्र अध्यायों के साथ स्थायी पहलों के प्रति समर्पण के लिए मान्यता भी मिली। कार्यक्रम की सफलता पर विचार करते हुए, VESCOA के प्रिंसिपल डॉ. प्रो. आनंद अचारी ने कहा, आज के सत्र ने इस बात की पुष्टि की कि वास्तविक परिवर्तन व्यक्तिगत कार्रवाई से शुरू होता है। अपने दैनिक जीवन में संधारणीय प्रथाओं को शामिल करके, हम सामूहिक रूप से एक स्थायी प्रभाव पैदा कर सकते हैं। VESCOA में, हम इस मानसिकता को स्थापित करने का प्रयास करते हैं, अपने छात्रों को एक संधारणीय भविष्य की ओर ले जाने के लिए सशक्त बनाते हैं। VES के अध्यक्ष सुरेश मलकानी जी सहित प्रतिष्ठित अतिथियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, और संधारणीयता में भविष्य के नेताओं को विकसित करने के लिए VESCOA के समर्पण को और अधिक उजागर किया। यह सत्र अनुसंधान-संचालित परियोजनाओं, छात्र-नेतृत्व वाले संधारणीयता कार्यक्रमों और उद्योग सहयोग सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से शिक्षा में पर्यावरण चेतना को एकीकृत करने की VESCOA की व्यापक प्रतिबद्धता का एक हिस्सा था।

मर्क लाइफ साइंस ने अपने फॉर्मूलेशन और टेक्नोलॉजी सेंटर का किया उद्घाटन

नवीं मुंबई। मर्क लाइफ साइंस ने नवी मुंबई के तुर्भे में अपने फॉर्मूलेशन और टेक्नोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया। मर्क के ग्लोबल रिसर्च एंड डेवलपमेंट नेटवर्क के हिस्से के तौर पर यह अत्याधुनिक सेंटर एक ऐसे हब के रूप में काम करेगा जो इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने, फार्मास्यूटिकल कंपनियों को ड्रग फॉर्मूलेशन के लिए आप्टिमाइज करने के लिए ऐडवांस टूल उपलब्ध कराने और भारत, एशिया-प्रशांत क्षेत्र, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में ड्रग को मार्केट तक पहुंचाने में लगने वाले समय को कम करने में मदद करेगा। यह फॉर्मूलेशन और टेक्नोलॉजी सेंटर इसलिए बनाया गया है ताकि वह अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की खूबियों को सभी के सामने पेश करने का काम कर सके और कॉम्प्लेक्स ड्रग फॉर्मूलेशन की जरूरत के लिए ऐडवांस फॉर्मूलेशन और प्रोसेसिंग समाधान उपलब्ध करा सके। यह सिर्फ एक लैब ही नहीं होगी बल्कि ऐसा सेंटर होगा जहां नॉलेज को अमल में लाकर देखा जाएगा। इस सेंटर को इसलिए तैयार किया गया है ताकि रिसर्च और व्यावसायिक पैमाने पर उत्पादन के बीच के गैप को कम किया जा सके, पेटेंट की चुनौतियों से निपटने में फार्मास्यूटिकल कंपनियों की मदद की जा सके और उनकी प्रोडक्शन पाइपलाइन को बेहतर बनाया जा सके। इस सेंटर का काम ग्राहकों को बेहतर तरीके से ट्रैनिंग देना, उन्हें तकनीकी चीजों या पहलुओं से रूबरू कराना और उनकी जरूरतों के हिसाब से उन्हें समाधान देना होगा ताकि वे फॉर्मूलेशन, प्रोडक्शन को बढ़ाने और समस्याओं को सुलझाते हुए आने वाली चुनौतियों को हल कर सकने में सफल हो सकें। फॉर्मूलेशन एवं टेक्नोलॉजी सेंटर के शुभारंभ समारोह में बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) के मैनेजिंग डाइरेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस की एसोसिएट सेक्रेटरी जनरल सुश्री अर्चना जाटकर वर्चुअली शामिल हुए। शामिल होने वाले अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में जर्मन कौंसुलेट, मुंबई के काउंसिल जनरल अचिम फैबिग, इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के डाइरेक्टर जनरल श्री स्टीफन हलुसा, और ल्यूपिन लिमिटेड के फार्मा रिसर्च के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसीडेंट मकरंद अवचट मर्क के प्रमुख लीडर्स के साथ जुड़े। मर्क इंडिया की कंट्री स्पीकर और मर्क स्पेशियलिटीज की एमडी प्रतिमा रेड्डी, मर्क लाइफ साइंसेज में लाइफ साइंस के मैनेजिंग डाइरेक्टर, हेड ऑफ साइंस एंड लैब सोल्यूशंस इंडिया धनंजय सिंह, भारत क्षेत्र के हेड ऑफ प्रोसेस सोल्यूशंस आदित्य शर्मा, मर्क लाइफ साइंस के डाइरेक्टर एंड हेड ऑफ सॉलिड फॉर्मूलेशन्स एंड फार्मा मटेरियल आरएंडडी, डॉ. एलेसेंड्रा एम्ब्रूओस और मर्क लाइफ साइंस में फॉर्मूलेशन और टेक्नोलॉजी सेंटर, आरएंडडी-सॉलिड फॉर्मूलेशन के प्रमुख डॉ. हेमगीर गोसावी ने इस अवसर पर भारत की मर्क की लीडरशिप टीम का प्रतिनिधित्व किया।

SRM के चांसलर ऑनररी फैलोशिप से सम्मानित

मुंबई। इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री (ICD) सेक्शन श्क (भारत, श्रीलंका और नेपाल) ने SRM इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (SRMIST) के फाउंडर चांसलर डॉ. टी.आर. पारीवेंधर को ऑनररी फैलोशिप प्रदान करते हुए सम्मानित किया है। नॉन-डेंटिस्ट/नॉन-मेडिकल क्षेत्र में यह डिस्टिंक्शन शायद ही कभी किसी को मिलती है, परंतु डॉ पारीवेंधर को यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह फेलोशिप शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा वितरण के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित करता है। कट्टनकुलथुर स्थित SRMIST में SRM कट्टनकुलथुर डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित ICD की वार्षिक बैठक एवं दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ. पारीवेंधर को इन दोनों क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए पहचाना गया था। ICD के ग्लोबल प्रेसिडेंट डॉ. आयन एम. डॉयल एवं क्ढऊ सेक्शन श्क की प्रेसिडेंट डॉ. मीरा वर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने उन्हें ऑनररी फैलोशिप से नवाजा। अपने स्वीकृति भाषण में, डॉ. पारीवेंधर ने दंत चिकित्सा के विशेष महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह लोगों को सीधे चलने, साफ-साफ बोलने और आत्मविश्वास के साथ हंसने में सहायता करने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है।